PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 240 ● भिलाई, गुरुवार 02 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

मुजफ्फरनगर में घर में मिले दंपती व दो बच्चों के शव

मुफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सरवट इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव घर में मिले। एक कमरे में पत्नी और दो बच्चों के शव थे, तो वहीं पति का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। स्थानीय पुलिस के अनुसार, सरवट निवासी इरशाद (32) पेंटर का काम करता था। मंगलवार सुबह उसका परिवार सोकर नहीं उठा और न ही उनके मकान का दरवाजा खुला। इरशाद के भाई नौशाद ने जब आकर देखा तो कमरे का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों और पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब कमरे में प्रवेश किया तो इरशाद का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। वहीं, उसकी पत्नी नूरीन (28) फर्श पर मृत अवस्था में पड़ी थी। घर के दो छोटे बच्चे, दो साल का बेटा आहिल और एक माह की बेटी अक्सा भी बिस्तर पर मृत पाए गए।

हेली सेवा की तैयारी पूरी, जल्द शुरू होगी टिकटों की बुकिंग, 22 को खुलेंगे कपाट

देहरादून। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने केदारनाथ हेली सेवा के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। जल्द ही हेली कंपनियों को संचालन का जिम्मा सौंप कर टिकटों की बुकिंग शुरू की जाएगी। 22 अप्रैल को केदारनाथ मंदिर के कपाट खुल रहे हैं। 21 अप्रैल से केदारनाथ हेली सेवा का संचालन शुरू हो जाएगा। गुप्तकाशी, सिरसी, फाटा के नौ हेलिपैड से हेली सेवा का संचालन किया जाएगा। यूकाडा ने कंपनियों के चयन के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर दी है। शीघ्र ही कंपनियों को अलग-अलग हेलिपैड से हेली उड़ानों की जिम्मेदारी दी जाएगी। इस बार हेली टिकट की बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट के माध्यम से की जाएगी। हेली कंपनियों को चयन कर किराया निर्धारित करने के बाद ही यूकाडा बुकिंग स्लॉट की तिथि तय करेगा। यूकाडा के सीईओ आशीष चौहान ने बताया कि जल्द ही सरकार के दिशानिर्देश पर बुकिंग शुरू की जाएगी

असम में मोदी की हुंकार,पीएम की रैली में उमड़े जनसैलाब

पीएम मोदी बोले-केंद्र की तरह असम में जीत की हैट्रिक पक्की

असम/ एजेंसी

असम में विधानसभा चुनाव की सियासत तेज हो गई है और चुनावी तैयारियां चरम पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज असम दौरे पर हैं। गोगामुख में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में असम में तेजी से विकास हुआ है और इस बार असम के लोग भाजपा-एनडीए गठबंधन पर अपना भरोसा फिर से जताने के लिए तैयार हैं। पीएम मोदी ने दावा किया कि इस तरह से असम में भाजपा की हैट्रिक पक्की है। प्रधानमंत्री मोदी ने धेमाजी में उन्होंने कहा, असम के चुनाव की घोषणा के बाद यह मेरी पहली जनसभा है। सामने यह जनसमुद्र, युवाओं का उत्साह और बहनों-बेटियों का आशीर्वाद इस बात का संकेत है कि इस बार हैट्रिक पक्की है। उन्होंने कहा, आपके आशीर्वाद से मुझे प्रधानमंत्री के रूप में हैट्रिक बनाने का अवसर मिला। अब इस मैदान में भी हैट्रिक लगाने का अवसर मिला है। और आपके आशीर्वाद से असम में सरकार भी हैट्रिक बनाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि पहले सर्वानंद सोनोवाल और फिर हिमंता विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम ने बीते 10 वर्षों में सेवा और सुशासन का नया दौर देखा है। पीएम मोदी ने कहा कि यह चुनाव विकसित असम से विकसित भारत बनाने का चुनाव है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की पराजय भी तय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, असम भाजपा ने कल एक शानदार संकल्प पत्र जारी किया है। यह मंगल

लाने वाला पत्र है। बेटियों का मान-सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई घोषणाएं की गई हैं। असम में छठ लागू करना और आदिवासी समाज तथा छठी अनुसूची क्षेत्रों की परंपराओं को सुरक्षित रखना हमारी प्राथमिकता है। भाजपा जो कहती है, वह करके दिखाती है। पीएम मोदी ने कहा कि असम को प्रकृति ने बहुत कुछ दिया है और संसाधनों की कभी कमी नहीं रही। लेकिन कांग्रेस ने सत्ता के लिए असम के समाज को बांटा और ब्रह्मपुत्र के दो किनारों को जोड़ने में विफल रही। कांग्रेस के शासन में 60-65 साल में ब्रह्मपुत्र पर सिर्फ 3 पुल बने, जबकि डबल इंजन सरकार ने 10-11 वर्षों में 5 बड़े पुल पूरे किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के नेता असम में खतरनाक कानूनबनाने की बात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2014 के चुनाव से पहले कांग्रेस की केंद्र सरकार ने कम्यूनल वायलेंस कानून बनाने का प्रयास किया था, जिसका उद्देश्य अपने वोटबैंक का तुष्टिकरण था। इस बिल में बहुसंख्यकों को दंगे का जिम्मेदार और अल्पसंख्यकों को पीड़ित बताया गया था। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा-एनडीए ने इसे संसद में बनने नहीं दिया, लेकिन अब कांग्रेस असम में उसी तरह का कानून बनाने की घोषणा कर रही है।

चाय के बागानों में दिखा पीएम मोदी का खास अंदाज, महिलाओं संग तोड़ी पत्तियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह असम के डिब्रूगढ़ में स्थित एक अत्यंत सुंदर चाय बागान का दौरा किया। अपनी इस यात्रा के दौरान उन्होंने वहां काम करने वाली महिलाओं से आत्मीय बातचीत की। उन्होंने श्रमिकों के साथ मिलकर खुद भी चाय की ताजी पत्तियां तोड़ीं और उनके अनुभवों को साझा किया। चाय बागान दौरे के दौरान पीएम का यह सादगी भरा अंदाज लोगों को काफी पसंद आ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस खास मुलाकात की कई शानदार तस्वीरें अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की हैं। उन्होंने लिखा कि डिब्रूगढ़ के इन हरे-भरे बागानों में महिलाओं के साथ बिताया गया समय बहुत सुखद रहा। प्रधानमंत्री ने चाय को असम की आत्मा बताया जिसने आज पूरी दुनिया में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

एलआईसी को 3750 करोड़ रुपये का नुकसान

सीबीआई ने अनिल अंबानी व अज्ञात पर दर्ज किया मामला..

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई ने बुधवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, इसके प्रमोटर अनिल अंबानी और कुछ अज्ञात सरकारी कर्मचारियों के खिलाफएक नया मामला दर्ज किया है। यह मामला भारतीय जीवन बीमा निगम को कथित तौर पर 3,750 करोड़ रुपये का गलत तरीके से नुकसान पहुंचाने से जुड़ा है। यह जांच ऐसे समय में शुरू हुई है जब अनिल अंबानी पहले से ही कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ भारी धोखाधड़ी के मामलों में कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे

हैं। अधिकारियों के बयान के अनुसार, यह नया मामला एलआईसी की ओर से मिली शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। इसमें साजिश, धोखाधड़ी, पैसों की हेराफेरी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि आरकॉम और उसके प्रबंधन ने कंपनी के वित्तीय स्वास्थ्य, सुरक्षा और परिसंपत्ति कवर के बारे में झूठे दावे किए। इन भ्रामक जानकारियों के आधार पर एलआईसी को 4,500 करोड़ रुपये के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर खरीदने के लिए धोखे से प्रेरित किया गया। इस पूरे मामले का प्रभाव केवल एलआईसी तक सीमित नहीं है, बल्कि देश का व्यापक बैंकिंग सेक्टर भी इसके दायरे में है। सीबीआई ने इससे पहले आरकॉम, अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफबैंकों से धोखाधड़ी करने के आरोप में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए थे।

प्रेमी जोड़े ने किया सुसाइड- पेड़ पर लटकी मिली लाश, इलाके में फैली सनसनी

सतना। मध्य प्रदेश के सतना से सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां प्रेमी जोड़े ने प्रेम में रोड़ा बन रहे समाज से परेशान होकर खुदकुशी कर ली। घटना मोरा गांव से सामने आई है। युवक-युवती का शव गांव के उसरहा हार स्थित एक नीम के पेड़ पर लटके मिले। मृतिका का नाम अंजली है जो बीते 29-30 मार्च की रात करीब 1:30 बजे बिना बताए घर से कहीं चली गई थी। काफी तलाश के बाद भी परिजनों को वह नहीं मिली, जिसके बाद 30 मार्च की रात एक पेड़ पर युवती और रामभजन गोंड का शव एक ही फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही सिंहपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की।

हिमंता के राज्य में प्रियंका गांधी की धमाकेदार एंट्री

असम में बोली प्रियंका डबल इंजन नहीं यह डबल गुलामी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने 'डबल-इंजन' सरकार पर तंज कसते हुए इसे 'दोहरी गुलामी' वाला मॉडल बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार शासन के 'दोहरी गुलामी' वाले मॉडल का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा एक ऊंचे-नीचे कंट्रोल चेन में काम कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने नजीरा में एक चुनावी रैली को

संबोधित करते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री अमेरिका के प्रभाव में काम करते हैं, जबकि मुख्यमंत्री सरमा बदले में पीएम मोदी के निर्देशों का पालन करते हैं। यह कोई डबल-इंजन सरकार नहीं है जैसा वे दावा करते हैं, बल्कि यह एक 'दोहरी गुलामी' वाली सरकार है। प्रियंका गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर असम के लोगों की भलाई के बजाय बड़े उद्योगपतियों के हितों को प्राथमिकता देने का भी आरोप लगाया। प्रियंका गांधी ने कहा कि राज्य के प्राकृतिक संसाधन, जिसमें जमीन और खनिज संपदा शामिल है, चुनिंदा कॉर्पोरेट संस्थाओं को सौंपे जा रहे हैं, जिससे स्थानीय समुदायों के अधिकार और आजीविका हाशिए पर जा रही है। मशहूर असमिया गायक स्वर्गीय जुबीन गर्ग से जुड़े विवाद का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के उन आरोपों का जवाब दिया।

टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट का झटका!

चुनाव से पहले वोटर लिस्ट पर सुनाई खरी-खरी-कोर्ट

नई दिल्ली। ममता बनर्जी की नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि भाजपा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में फॉर्म 6 जमा करा रहे हैं। इसके जरिए मतदाताओं के नाम लिस्ट में जुड़वाए जा रहे हैं। उसकी इस दलील पर सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि इसमें कुछ गलत नहीं है और ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। इस तरह टीएमसी को करारा झटका लगा है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने राज्य में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। चीफ जस्टिस ने अपने आदेश में कहा

कि ऐसा हर बार होता है। पहली बार नहीं हो रहा है। आप आपत्तियां दायर कर सकते हैं। बेंच का कहना था कि यदि आपको किसी का नाम जोड़े जाने से आपत्ति है तो उस पर चुनाव आयोग में रिपोर्ट कर सकते हैं।

सूरत के घर में लगी भीषण आग, जिंदा जलकर 5 की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत शहर में बड़ा हादसा हुआ है। यहां के लिंबायत इलाके में एक तीन मंजिला मकान में आग लगने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में चार महिलाएं और एक छोटा बच्चा शामिल है। यह हादसा मंगलवार सुबह करीब 10 बजे मीठी खाड़ी इलाके में हुआ। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस के अनुसार, जिस मकान में आग लगी वहां साड़ी पैकिंग का काम होता था। हादसे के समय परिवार के सदस्य फोम शीट की मदद से साड़ियों को पैक कर रहे थे। छुट्टी का दिन होने के कारण घर में पैकिंग का काफी सारा सामान और फोम जमा था।

जग्गी हत्याकांड

अमित जोगी की तरफ से जवाब के लिए मांगा गया समय,आज होगी मामले की पूरी सुनवाई..

बिलासपुर। एनसीपी के नेता रहे रामअवतार जग्गी हत्याकांड की फाइल एक बार फिर खुल गई है। आज हाईकोर्ट में इस मामले में सुनवाई होनी थी जिसे कल तक के लिए टाल दिया गया है । अमित जोगी की ओर जवाब के लिए और ज्यादा समय की मांग को कोर्ट ने नकारते हुए कल मामले अंतिम सुनवाई तय की है । बता दे कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट में सुनवाई प्रारंभ हो गई है। बीते दिनों चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की डिवीजन बेंच ने सतीश जग्गी व जग्गी हत्याकांड के आरोपी अमित जोगी को नोटिस जारी कर अपने वकील के साथ कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया था। नोटिस की तामिली की जिम्मेदारी रायपुर एसपी को दी गई थी। याचिकाकर्ता सतीश जग्गी के अधिवक्ता ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले को पुनर्विचार के लिए वापस बिलासपुर हाईकोर्ट भेज दिया है। सीबीआई की ओर से उपस्थित अधिवक्ता वैभव ए. गोवर्धन और राज्य की ओर से उपस्थित उप महाधिवक्ता डॉ. सौरभ पांडे ने संयुक्त रूप से निवेदन किया कि राज्य ने 31 मई 2007 को आवेदन पेश कर निचली अदालत

द्वारा पारित बरी करने के फैसले के खिलाफ अपील करने की अनुमति मांगी थी। उक्त आवेदन को इस न्यायालय की पीठ ने 18 अगस्त 2011 को इस आधार पर खारिज कर दिया था, सीबीआई द्वारा जांच किए जा रहे मामले में राज्य द्वारा दायर अपील की अनुमति के लिए आवेदन स्वीकार्य नहीं है। सीबीआई ने याचिका दायर कर 31 मई 2007 के फैसले और आदेश को चुनौती दी थी। हालांकि, इस न्यायालय की समन्वय पीठ ने 12 सितंबर 2011 के आदेश द्वारा विलंब के आधार पर इसे खारिज कर दिया था। इसके अतिरिक्त, अमित जोगी की बरी होने को चुनौती देने के लिए पुनरीक्षण याचिका को आपराधिक अपील में परिवर्तित करने की मांग करते हुए शिकायतकर्ता सतीश जग्गी द्वारा दायर याचिका को भी 19 सितंबर 2011 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया था।

ईरान ने युद्धविराम का किया अनुरोध

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सामने रखी शर्त कहा-होर्मुज जल डमरूमध्य खोलने पर ही करेंगे सीजफायर पर विचार......

वॉशिंगटन/ एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरानी शासन के नए राष्ट्रपति अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में कहीं कम कट्टरपंथी और कहीं अधिक बुद्धिमान हैं। उन्होंने अभी-अभी अमेरिका से युद्धविराम का अनुरोध किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पूरी तरह से खुला, मुक्त और सुरक्षित होने पर ही हम इस पर विचार करेंगे। तब तक हम ईरान को पूरी तरह तबाह कर देंगे या यूं कहें कि उसे पाषाण युग में वापस भेज देंगे। इससे पहले, मंगलवार को ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि अमेरिका जल्द ही ईरान से बाहर निकल आएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मुझे बस ईरान से निकलना है और हम बहुत जल्द ऐसा करेंगे। इसके बाद वे खुद ही गिर जाएंगे। आज शेयर

बाजार लगभग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि दो उन्हें दो बातें पता हैं। पहली- हमारा देश सुरक्षित है। हमें थोड़ा रास्ता (तरीका) बदलना पड़ा, क्योंकि हमारे पास खामेनेई नाम का एक पागल व्यक्ति था, जो अब हमारे बीच नहीं है। हमने पहले शासन परिवर्तन कर लिया है। हमने एक शासन को हटाया। फिर दूसरे को हटाया। अब हमारे पास ऐसे लोगों का समूह है, जो बहुत अलग हैं। जो ज्यादा पहुंच में हैं। ट्रंप ने कहा था कि वह बिना किसी समझौते के भी वहां से निकल जाएंगे। उन्होंने कहा, 'नहीं..उन्हें मेरे साथ समझौता करने की जरूरत नहीं है। जब हमें लगेगा कि उन्हें लंबे समय के लिए पाषाण युग में पहुंचा दिया गया है और वे परमाणु हथियार नहीं बना पाएंगे, तब हम वहां से निकल जाएंगे। समझौता हो या न हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। हालांकि, संभवना है कि समझौता हो जाएगा, क्योंकि वे समझौता करना चाहते हैं। वे मुझसे ज्यादा समझौते करना चाहते हैं। लेकिन, जल्द यह सब खत्म हो जाएगा। वे कई वर्षों तक परमाणु हथियार नहीं बना पाएंगे। इसके अलावा, ट्रंप ने बुधवार को यह भी कहा कि वह उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) से अमेरिका को बाहर निकालने पर गहराई से विचार कर रहे हैं।

'यह हमारी जंग नहीं है' ईरान युद्ध के बीच ब्रिटेन ने भी छोड़ा ट्रंप का साथ!

लंदन। पूरा पश्चिम एशिया युद्ध की आग में सुलग रहा है। इस्राइल और अमेरिका ने मिलकर सबसे पहले ईरान पर हमला किया। बदले में ईरान ने आस-पास के सभी दुश्मन देशों को निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों से मदद की अपील की। लेकिन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ईरान युद्ध में शामिल न होने के अपने रुख पर अडिग हैं। दरअसल, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक बड़ा और कड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन, ईरान के खिलाफअमेरिका और इस्राइल के सैन्य अभियान में शामिल नहीं होगा।

कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

नारायण साईं तलाक केस में पत्नि ने मांगे पांचकरोड़

इंदौर। तीन साल से ज्यादा समय से चल रहे प्रवचनकार आसाराम के बेटे नारायण साईं के तलाक को लेकर लगाई गई याचिका में सुनवाई पूरी हो गई है। फैमिली कोर्ट जल्दी ही इस मामले में अपना फैसला सुनाएगी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। नारायण साईं की पत्नी जानकी इंदौर में रहती हैं। उन्होंने तलाक की अर्जी दाखिल करते हुए पांच करोड़ रुपये के स्थायी गुजारा भत्ता नारायण साईं से दिलवाने की मांग की है। बुधवार को कोर्ट में इस मामले पर अंतिम बहस पूरी हुई। अदालत ने दोनों पक्षों

के तर्कों को सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया है। इंदौर निवासी जानकी भी आश्रम की सेवादार थीं। नारायण साईं ने करीब पंद्रह साल पहले उनके साथ विवाह किया था, लेकिन वह अपने साथ नहीं रखता था। जानकी ने वर्ष 2023 में तलाक की याचिका इंदौर के कोर्ट में दायर की थी।

38 कट्टा धान चोरी के आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। बेमेतरा पुलिस द्वारा अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा एवं थाना प्रभारी परपोडी निरीक्षक सत्य प्रकाश उपाध्याय, साइबर सेल व थाना परपोडी पुलिस की संयुक्त टीम ने 38 कट्टा धान, कुल वजनी लगभग 15 क्विंटल धान चोरी के मामले में कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के निशानदेही पर प्रकरण में चोरी गए 38 कट्टा धान, कुल वजनी लगभग 15 क्विंटल कीमती करीबन 45,000/- रूपए बरामद कर जब्त किया गया। प्रार्थी रामखिलावन सेन उम्र 68 वर्ष, निवासी भटगांव थाना परपोडी जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 21 मार्च के शाम 17:30 बजे से 22 मार्च 2 के सुबह करीबन 08:00 बजे के मध्य इनके कोठार (ब्यारा) में बने कमरा के शटर के ताला को तोड़कर कमरा अंदर रखे 105 कट्टा धान प्रति कट्टा वजनी 40-40 किलोग्राम कुल वजनी करीबन 15 क्विंटल धान कीमती करीबन 45,000/- रूपये को कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले जाने कि रिपोर्ट पर थाना बेमेतरा में धारा 331(4),305(ए) BNS का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण में विवेचना के दौरान जरिये मुखबिर सूचना पर ग्राम भटगांव निवासी प्रेमलाल ऊर्फ सुमित सेन को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर उक्त धान चोरी का अपराध करना स्वीकार किया। आरोपी प्रेमलाल ऊर्फ सुमित सेन के निशानदेही पर प्रकरण में चोरी गए 38 कट्टा धान, कुल वजनी लगभग 15 क्विंटल कीमती करीबन 45,000/- रूपए बरामद कर जप्त किया गया। आरोपी प्रेमलाल उर्फ सुमीत सेन पिता स्व. धनुक सेन उम्र 27 वर्ष, निवासी भटगांव, थाना परपोडी जिला बेमेतरा को 29 मार्च को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया।

इस संपूर्ण कार्रवाई में सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, थाना प्रभारी परपोडी निरीक्षक सत्य प्रकाश उपाध्याय, सउनि पुरूषोत्तम कुलार्य, सायबर सेल से आरक्षक नुरेश वर्मा, मुकेश माहिरे, संजय पाटिल, जयकिशन साहू, संतोष धीवर, रेखन साहू थाना परपोडी से आरक्षक रमेश चंद्रवंशी, शिव कुमार यादव सहित समस्त स्टाफ की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दुर्ग की स्वास्थ्य सेवाओं को मिली संजीवनी

10 नई एम्बुलेंस को मंत्री गजेंद्र यादव ने दिखाई हरी झंडी, खुद चलाकर पहुंचे अस्पताल

दुर्ग/ विशेष संवाददाता। दुर्ग जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं में आज एक बड़ा अध्याय जुड़ गया है। जनस्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से '108 संजीवनी एक्सप्रेस' के तहत जिले को 10 नई अत्याधुनिक एम्बुलेंसों की सौगात मिली है। इनका विधिवत शुभारंभ आज छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव और दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर द्वारा किया गया।

हाथ में स्टेयरिंग थामकर मंत्री ने दिया सेवा का संदेश- शुभारंभ समारोह का सबसे खास और चर्चा का विषय वह पल रहा, जब शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने स्वयं एम्बुलेंस की स्टेयरिंग संभाली। उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से एम्बुलेंस चलाकर शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया और जिला अस्पताल पहुंचे। मंत्री के इस अंदाज ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और आम जनता में जनसेवा के प्रति एक नया उत्साह भर दिया।

बेड़े में 1 एडवांस और 9 बेसिक लाइफ सपोर्ट वाहन- स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि,10 नई एम्बुलेंसों में 1 एडवांस लाइफ सपोर्ट (ALS) यह गंभीर मरीजों के लिए वेंटिलेटर और अन्य जीवन रक्षक उपकरणों से लैस है।और 9 बेसिक लाइफसपोर्ट (BLS) ये सामान्य आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को त्वरित राहत पहुंचाएंगी।

पूजा-अर्चना के बाद दिखाई हरी झंडी- कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों ने नई एम्बुलेंसों की विधिवत पूजा-अर्चना की और फिर हरी झंडी दिखाकर इन्हें रवाना किया। इस अवसर पर दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह, सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी, सिविल सर्जन डॉ. आशीष कुमार मिंज सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और जीवनदीप समिति के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आम जनता को मिलेगा सीधा लाभ- विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि इन एम्बुलेंसों के आने से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रिस्पॉन्स टाइम कम होगा, जिससे दुर्घटना या गंभीर बीमारी की स्थिति में कीमती जान बचाई जा सकेगी।

कार्यवाही नहीं होने पर किया जाएगा धरना प्रदर्शन कर सौपे ज्ञापन

बेमेतरा। जिले के बेरला जनपद के ग्राम पंचायत मोहभट्ठा में इन दिनों विकास की गति पूरी तरह थमी हुई है। कारण है खनिज न्यास की राशि मे हुई भारी वित्तीय गड़बड़ी भ्रष्टाचार के इस मामले के खुलासे के बाद जिला प्रशासन ने पंचायत के खाता सीज किया है।अब वर्तमान सरपंच व उनके पूरे टीम के द्वारा 18 महीने के दौरान जिला पंचायत सीईओ व जनपद सीईओ के पास खाता संचालन व दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग किया हर बार केवल और केवल आश्वासन मिला पंचायत को हर बार कही न कही आस बना रहा परन्तु कोई भी कार्यवाही नहीं हुआ।

कार्यवाही नही होने पर सरपंच अपने पूरे टीम के साथ 2 फरवरी 2026 जनदर्शन में वर्तमान जिलाधीश के पास गुहार लगाया वहाँ एक सप्ताह में कार्यवही हो जाएगा।आश्वासन दिया गया परन्तु इस मामले में कुछ नही हुआ इसके बाद जनपद पंचायत बेरला के सामान्य सभा की बैठक में उक्त मुद्दे पर बात हुआ और सर्व सहमति से राशि वसूली के लिए एस डी एम को जांच कॉपी सहित पुरा दस्तावेज दिया जाए यह प्रस्ताव पारित हुआ परन्तु बहुत दिन बीत जाने के बाद कार्यवाही नही होने पर फिर जनपद सीईओ से सरपंच द्वारा मिलने पर कोई कार्यवाही नही करूंगी यह बात सीईओ द्वारा कहने पर पुनः उपाध्यक्ष जिला पंचायत बेमेतरा प्रतिनिधि बलराम पटेल जनपद सदस्य नीरज राजपूत सरपंच ग्राम पंचायत मोहभट्ठा ने 16 मार्च 2026 जनदर्शन में जिलाधीश बेमेतरा से मुलाकात कर जाँच के सम्पूर्ण कॉपी सहित पूरे मामले पर बात किया जल्द कार्यवाही का आश्वासन मिला परन्तु फिर यह मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। कार्यवाही नही होने पर 30 मार्च 2026 जनदर्शन में ग्राम पंचायत सरपंच व उनके टीम द्वारा जिलाधीश से मिलकर सात दिवस के भीतर कार्यवाही नही होने पर सभी जनप्रतिनिधि व ग्रामवासियों के साथ कलेक्टर घेराव का ज्ञापन सौपा है।

14 वर्षीय लापता छात्रा की लाश मिली रेलवे ट्रैक पर

खैरागढ़ । 28 मार्च से लापता चिचोला की रहने वाली 14 वर्षीय छात्रा देविका वर्मा का शव बिलासपुर जिले के ग्राम किसान परसदा स्थित रेलवे ट्रैक पर मिला गया है। परिजनों ने पुलिस की शुरुआती कार्रवाई पर सवाल उठाए है, जबकि पुलिस का कहना है कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। देविका कक्षा 8वीं में पढ़ती थी और अपने परिवार की चार बहनों में से एक थी। उसके पिता सैलेंद्र वर्मा स्थानीय हाईस्कूल में स्वीपर के रूप में कार्यरत हैं, जबकि माता आंगनबाड़ी में रसोइया है। परिजनों ने बताया कि 28 मार्च की रात करीब 10:30 बजे से देविका घर से लापता हो गई थी। इसके बाद 29 मार्च को दोपहर करीब 12 बजे खैरागढ़ थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। इसी दौरान 29 मार्च को ही बिलासपुर के मस्तुरी थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के पास एक अज्ञात किशोरी का शव बरामद हुआ था।

भगवान महावीर की पूजा कर भव्य शोभा यात्रा नगर में निकाली गई

दल्लीराजहरा। आस्था और श्रद्धा के केंद्र, सत्य और अहिंसा के मार्गदर्शक, भगवान महावीर स्वामी जी के जन्मकल्याणक महोत्सव (महावीर जयंती) के पावन अवसर सकल जैन श्री संघ कुसुमकसा द्वारा भगवान महावीर की पूजा कर भव्य शोभा यात्रा नगर में निकाली गई, जहां महावीर स्वामी के जयकारे के साथ पूरा नगर भ्रमण हुआ। इस गौरवशाली आयोजन में जनपद सदस्य मंजू बैस शामिल होकर सभी को शुभकामनाएं प्रेषित कर शुभ मंगलकामनाएं दिए और लस्सी का वितरण किया गया इस अवसर पर भाजपा नेता पुष्पजीत बैस, कमलकांत साहू, खेमिन निर्मलकर, ज्योति यादव, त्रिका साहू उपस्थित रहे। इस दौरान जैन समाज को संबोधित करते हुए जनपद सदस्य मंजू बैस ने कहा कि आज का यह पावन दिन हमें याद दिलाता है कि शांति बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर है। भगवान महावीर के अनमोल संदेश जियो और जीने दो को आत्मसात कर हम एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहाँ प्रेम, करुणा और सद्भाव का वास हो। जैन समाज के द्वारा समय समय पर समाज में अच्छे कार्यों की तारीफ करते हुए गांव के अच्छे आयोजनों की प्रशंसा किए। जैन समाज के सभी पदाधिकारी जनपद सदस्य मंजू बैस का आभार व्यक्त किए इस अवसर पर मनीष जैन, देवराज जैन, मोती कुचेरिया, सुरेश गुणधर, मुकेश गुणधर, भंवर लाल जैन, जसराज कुचेरिया, आशीष जैन, संतोष जैन ,अनिल सुथार, सोनल जैन, कीर्ति कुचेरिया, भारती जैन, मुनमुन जैन, मंजू जैन, आयुषी बाफना , डाली बाफना, मंजू शर्मा सुनीता जैन, पायल कुचेरिया, नैतिक जैन, आदर्श जैन आयुष जैन आरव जैन संयम जैन, आदि जैन, हर्षि जैन, आदित्य जैन सहित समाज के गणमान्य जन उपस्थित रहे। समाज के तरफ से देवराज जैन जी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

और अपने उद्बोधन में कहा कि आइए, इस विशेष दिवस पर हम महावीर स्वामी की शिक्षाओं पर चलने का संकल्प लें और समाज में समरसता का दीप जलाएं।

28 मार्च गुजरा, समाधान नहीं मिला -1 अप्रैल से ऑफलाइन मोड में चलेगा आंगनवाड़ी तंत्र

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने शासन को 28 मार्च तक मांगों के समाधान का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन तय समय-सीमा गुजर जाने के बावजूद कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया। अब 1 अप्रैल 2026 से पूरे प्रदेश में आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन ऑनलाइन पोषण ट्रैकर के बजाय ऑफलाइन मोड में करने का ऐलान कर दिया गया है। अखिल भारतीय आंगनवाड़ी कर्मचारी महासंघ (नई दिल्ली) से संबद्ध, भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश ने अपने ज्ञापन (Ref No. ABAKMS/01/2026, दिनांक 09.03.2026) में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था कि यदि 28 मार्च तक शासन स्तर पर मांगों को लेकर सकारात्मक पहल नहीं होती है तो 1 अप्रैल से ऑनलाइन कार्य प्रणाली का बहिष्कार किया जाएगा। आज 31 मार्च तक भी शासन की ओर से कोई निर्णायक पहल सामने नहीं आने पर संघ ने अपने निर्णय पर अमल करने की घोषणा कर दी है। हालांकि संघ ने यह स्पष्ट किया है कि आंगनवाड़ी केंद्र बंद नहीं रहेंगे और बच्चों व महिलाओं को मिलने वाली सेवाएं पूर्व की भांति जारी रहेंगी। केवल ऑनलाइन पोषण ट्रैकर के माध्यम से की जाने वाली एंट्री और रिपोर्टिंग का बहिष्कार किया जाएगा।

प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया मेरावी का कहना है कि ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में नेटवर्क की भारी समस्या है। कई जगह मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की सुविधा न होने के कारण समय पर ऑनलाइन डेटा अपलोड करना संभव नहीं हो पाता। इसके चलते कार्यकर्ताओं को अनावश्यक नोटिस, दबाव और मानसिक तनाव झेलना पड़ता है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण आहार वितरण, टीकाकरण समन्वय, कुपोषण उन्मूलन और प्रारंभिक शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाती हैं। बावजूद इसके मानदेय और सुविधाओं के मामले में उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। संघ का आरोप है कि बार-बार ज्ञापन देने और वार्ता की मांग करने के बाद भी शासन केवल आश्वासन देता रहा।

ज्ञापन में स्पष्ट लिखा गया है कि 1 अप्रैल से बच्चों का वजन, पोषण आहार वितरण, गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, टीकाकरण समन्वय सहित सभी कार्य ऑफलाइन रजिस्टर प्रणाली से किए जाएंगे। सेवाएं बाधित नहीं होंगी, लेकिन ऑनलाइन मॉनिटरिंग व्यवस्था प्रभावित रहेगी। प्रदेश के विभिन्न जिलों में कार्यकर्ताओं की बैठकों का दौर जारी है और सभी को निर्देशित किया गया है कि 1 अप्रैल से ऑफलाइन प्रणाली लागू करें। इस फैसले को लेकर कार्यकर्ताओं में एकजुटता दिखाई दे रही है। अब नजर शासन के रुख पर टिकी है। क्या सरकार जल्द वार्ता कर समाधान निकालेगी या फिर यह ऑफलाइन आंदोलन लंबा चलेगा?

फिलहाल इतना तय है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर सख्त रुख अपना लिया है और बिना समाधान के पीछे हटने के मूड में नहीं हैं। 1 अप्रैल से शुरू हो रहा यह कदम प्रशासन के लिए स्पष्ट संदेश है कि जमीनी स्तर पर काम करने वाली आंगनवाड़ी बहनों की समस्याओं को अब नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा।

श्रेया का नवोदय विद्यालय की परीक्षा में हुआ चयन

दल्लीराजहरा। माता रानी की असीम कृपा से प्राथमिक शाला अरमुरकसा (दल्लीराजहरा) की होनहार छात्रा कुमारी श्रेया कुलदीप पिता अनु मलिक कुलदीप माता गंगा कुलदीप का चयन नवोदय विद्यालय की परीक्षा 2026 में हुआ है। विद्यालय परिवार तथा शाला प्रबंधन समिति ने कुमारी श्रेया का मुंह मीठा कराकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विदित हो कि कुमारी श्रेया कक्षा पहली से ही होनहार छात्रा थी। कुमारी श्रेया ने इस सफलता का राज माता-पिता के सहयोग तथा प्रधान पाठक छत्रपाल देशमुख के सफल मार्गदर्शन एवं उनके शिक्षक विजय कुमार गौरे, कमलेश्वरी साहू, योगिता साहू तथा निर्मला सिन्हा का विशेष सहयोग बताया है।

नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ : एक दीप शहीदों के नाम

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा का आयोजन

भिलाई । भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिला भिलाई ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई और विकास की नई इबारत को रेखांकित करते हुए एक विशेष कार्यक्रम -नक्सल मुक्त होता छत्तीसगढ़: एक दीप शहीदों के नाम- आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को याद करना और नक्सलवाद से मुक्त हो रहे क्षेत्रों में विकास का जश्न मनाना। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल के नेतृत्व में भिलाई जिला के विभिन्न मंडलों में भिलाई-3 और चरोदा मंडल मुरमुंदा मंडल ,जेवरा सिरसा, कोहका मंडल,अहिवारा मंडल एवं कैंप मंडल वैशाली नगर मंडल, पूरब मंडल, बाकी में कार्यक्रम आयोजित किया गया

शहीदों की शहादत को नमन करते हुए, जवानों, स्थानीय निवासियों और युवाओं ने दीप जलाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शुरू की गई नई सड़कों, स्कूलों और स्वास्थ्य सुविधाओं पर प्रकाश डाला गया।

स्थानीय आदिवासी युवाओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भागीदारी की, जो बदलते छत्तीसगढ़ की सकारात्मक तस्वीर दर्शाता है। मुख्यधारा में लौटे

पूर्व नक्सलियों को भी इस मंच से विकास की राह में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन , वरिष्ठ नेता योगेंद्र सिंह उपस्थिति रहे

भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य से नक्सलवाद के खात्मे और शांति की ओर बढ़ते कदमों के बीच, आज भिलाई जिला में विभिन्न स्थान में -एक दीप शहीदों के नाम- कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य को हिंसा मुक्त बनाने के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सुरक्षाबलों के जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करना था।

भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज शांति सुरक्षा और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है केंद्र एवं राज्य सरकार के दृढ़ संकल्प सुरक्षा बलों के साहस जनभागीदारी के प्रयासों से नक्सलवाद का अंत हो गया है और निश्चित ही यह हमारे लिए हर्ष उल्लास का विषय है और हम सौभाग्यशाली है कि हम इस स्वर्णिम क्षण के साक्षी है,

कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल जिला महामंत्री विनय सेन, विशालदीप नायर, मंडल अध्यक्ष नवीन सिंह, मनीष पीपरोल, सोनू यदव, राहुल झा, सौरभ चटर्जी, जयंत शर्मा, निखिल सोनी, चंदन यादव, अभिषेक पांडे, शिवम, एवं भाजपा युवा मोर्चा के सभी पदाधिकारि कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम में हुई चोरी: महिला के गले से हार ले उड़े चोर, थाने में शिकायत दर्ज

रायपुर। कोरबा जिले के बांकी मोगरा क्षेत्र में एक पंडित धीरेंद्र शास्त्री के कथा स्थल से चोरी की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, बांकी मोगरा निवासी नवल किशोर पंडित की पत्नी अमिता पंडित श्री धीरेंद्र शास्त्री के हनुमान कथा कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब वह घर लौटीं, तब उन्हें पता चला कि उनके गले से लगभग 1.5 तोला सोने का हार चोरी हो गया है। चोरी हुए हार की कीमत करीब 2,15,664 रुपये बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित परिवार ने थाना बांकी मोगरा में शिकायत दर्ज कराई है। प्रार्थी नवेल किशोर पंडित ने पुलिस से मांग की है कि जल्द से जल्द चोर को पकड़कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए और उनका सोने का हार वापस दिलाया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि हार की पूरी रकम अभी तक दुकानदार को चुकाई नहीं गई है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित द्वारा सोने के हार की बिल रसीद की प्रति भी शिकायत के साथ संलग्न की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सर्वम सोसाइटी में हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन एक एवं दो अप्रैल को

रायपुर। रात आठ बजे आयोजित बैठक में सर्वम सोसाइटी में हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन धूमधाम से करने का निर्णय लिया गया है। सोसाइटी के संरक्षक शैलेष सेठिया एवं संयोजक ललित तिवारी ने बताया कि यह सोसाइटी का पहला आयोजन है। एक एवं दो अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर अखंड सुंदरकांड का पाठ एक अप्रैल को शाम चार बजे से प्रारंभ होगा। इसी दिन शाम चार बजे श्रद्धालुओं के लिए महाभंडारे का आयोजन किया गया है। दो अप्रैल को अखंड पाठ की समाप्ति पर कालोनी निवासियों के लिए भोज का आयोजन रात नौ बजे किया गया है। समिति के कोषाध्यक्ष रामगोपाल वर्मा सदस्य नारायण वर्मा एवं अन्य ने इस अवसर पर हनुमान जी के लिए पूर्ण भक्तिभाव से आयोजित पूजन कार्यक्रम में भाग लेने की अपील कालोनी के निवासियों से की है। जोरशोर से हनुमान जन्मोत्सव मनाने की तैयारियों प्रारंभ कर दी गई है। पहला आयोजन होने के कारण सदस्यों में बहुत उत्साह है।

प्रेमी जोड़े ने लगाई फांसी दो दिन में दूसरी बड़ी घटना से इलाके में सनसनी

रायपुर। महासमुंद जिले से एक बार फिर दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां पिथौरा थाना क्षेत्र में एक प्रेमी जोड़े ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। लगातार दूसरे दिन इस तरह की घटना सामने आने से इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के मुताबिक, फांसी के फंदे पर लटके मिले प्रेमी जोड़े में युवती खल्लारी थाना क्षेत्र के धरमपुरा गांव की बताई जा रही है, जबकि युवक पटेवा थाना क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है। घटना के पीछे की वजह फिलहाल अज्ञात है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मौके से मिली जानकारी के अनुसार, युवती के हाथ में गोदने से अंकिता नाम लिखा हुआ है और पास में मिले आधार कार्ड के आधार पर उसे नाबालिग माना जा रहा है। गौरतलब है कि बीते दिन भी इसी तरह एक अन्य प्रेमी जोड़े ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली थी, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, आत्महत्या के कारणों का जल्द खुलासा किया जाएगा।

बदलेगा मौसम का मिजाज, आंधी और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सोमवार को आंधी और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, एक साथ सक्रिय कई सिस्टम, पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवाती परिसंचरण और द्रोणिकाओं के प्रभाव से प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा या गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं। वहीं कुछ इलाकों में आंधी चलने और वज्रपात की भी आशंका जताई गई है। दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी बनी रहेगी। मौसम में अस्थिरता के कारण लोगों को गर्मी के साथ-साथ तेज हवा का भी सामना करना पड़ सकता है। राजधानी में भी आंशिक बादल छाने और शाम को हल्की वर्षा की संभावना है। प्रदेश में एक-दो स्थानों पर 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। साथ ही गरज-चमक और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, खुले स्थानों और खेतों में काम कर रहे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। उत्तर ईरान के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ, उत्तर-पश्चिम राजस्थान और मध्य प्रदेश तक फैली द्रोणिका सहित अन्य सिस्टम एक साथ प्रभावी हैं। यही वजह है कि प्रदेश के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है और बादल बनने की प्रक्रिया तेज हुई है। प्रदेश में अधिकतम तापमान में हल्की वृद्धि के संकेत हैं।

प्रदेश की लाइफ लाइन हुई सशक्त

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 370 नई एम्बुलेंस को दिखाई हरी झंडी

- शहर में 15 और गांव में 30 मिनट में पहुंचेगी 108 सेवा: स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक पहल की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 300 बेसिक लाइफ सपोर्टएवं 70 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंसों को हरी झंडी दिखाकर प्रदेश के सभी जिलों के लिए रवाना किया। इसके साथ ही 108 एम्बुलेंस की समस्त सेवाएं प्रदेशभर में तत्काल प्रभाव से प्रारंभ हो गई हैं, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सहायता सुनिश्चित होगी। इस पहल के अंतर्गत पहली बार प्रदेश में 5 नियोनेटल रू एम्बुलेंसों की शुरुआत की गई है, जो नवजात शिशुओं को आपातकालीन देखभाल के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी। यह सेवा राज्य की नवजात सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है तथा गंभीर स्थिति में नवजात शिशुओं को सुरक्षित रूप से उच्च स्तरीय उपचार केंद्रों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर सुदृढ़ हो रही हैं और पिछले दो वर्षों में इस क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता का भरोसा सरकारी अस्पतालों में लगातार बढ़ा है, जहां उन्हें समय पर उपचार मिल रहा है। उप-स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण एवं उन्नयन के कारण अब लोगों को छोटे-छोटे इलाज के लिए दूर शहरों की ओर नहीं जाना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जाए, ताकि हर जरूरतमंद मरीज तक समय पर स्वास्थ्य सहायता पहुंच सके। उन्होंने कहा कि 108 एम्बुलेंस सेवा का यह विस्तार आम जनता के विश्वास को और सशक्त करेगा कि संकट की घड़ी में सरकार पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पहली बार शुरू की गई 5 नियोनेटल रू एम्बुलेंस सेवा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नवजात शिशुओं के जीवन की सुरक्षा के प्रति सरकार की गंभीरता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के लिहाज से आज का दिन राज्य के लिए ऐतिहासिक है और इससे लाखों लोगों को त्वरित चिकित्सा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य बन गया है, जहां नियोनेटल एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई है।

21 रेलकर्मियों की विदाई के साथ रायपुर मंडल में भावुक पल, 7.89 करोड़ का भुगतान

रायपुर। संवाददाता

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में सोमवार का दिन सिर्फएक औपचारिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि दशकों की मेहनत, जिम्मेदारी और समर्पण के भावुक समापन का गवाह बना, जब एक साथ 21 रेलकर्मी अपनी सेवा पूरी कर सेवानिवृत्त हुए और पूरे रेलवे परिवार ने उन्हें सम्मान के साथ विदाई दी। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में माहौल भावनाओं से भरा रहा, जहां हर चेहरे पर गर्व और विदाई की कसक साफ नजर आई, इन कर्मचारियों ने अलग-अलग विभागों—इंजीनियरिंग, यांत्रिकी, परिचालन, संकेत एवं दूरसंचार, वाणिज्य, कार्मिक, सुरक्षा और विद्युत—में वर्षों तक अपनी जिम्मेदारियां निभाईं और रेलवे संचालन को मजबूती दी। समारोह में मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग और सहायक कार्मिक अधिकारी श्री महेंद्र कुमार शर्मा समेत कई अधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों को सम्मानित करते हुए उनके योगदान को सराहा और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर सबसे बड़ा आकर्षण रहा 7 करोड़ 89 लाख 16 हजार 524 रुपये का एकमुश्त ई-पेमेंट, जो सभी कर्मचारियों को उनके सेवा काल के प्रतिफल के रूप में दिया गया, साथ ही पेंशन भुगतान आदेश, पहचान पत्र और पास कार्ड भी मौके पर ही सौंपे गए, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और त्वरित बनी रही। अधिकारियों ने अपने संबोधन में कर्मचारियों की कार्यनिष्ठा और जिम्मेदारी निभाने के जज्बे को सराहा, साथ ही उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद स्वास्थ्य का ध्यान रखने, परिवार के साथ समय बिताने और मिली राशि का सही निवेश करने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में जब कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा किए तो माहौल और भी भावुक हो गया, वर्षों की यादें और संघर्ष एक-एक शब्द में झलकते नजर आए। यह विदाई सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि उस सफर का सम्मान थी।

चोट के बावजूद क्लीन एंड जर्क में शानदार प्रदर्शन कर जीता स्वर्ण.....

रायपुर। संवाददाता

मिजोरम के युवा वेटलिफ्टर इसाक मालसावमटलुआंगा 16 साल की उम्र पूरी करने से पहले ही अपने माता-पिता दोनों को खोने के बाद लगभग खेल छोड़ने की कगार पर पहुंच गए थे। इस दोहरी त्रासदी ने इस मिजो किशोर को अंदर तक तोड़ दिया था, लेकिन उनके बचपन के कोच और चाचा-चाची के सहारे ने उनके खेल करियर को संभाल लिया। 18 वर्षीय इसाक ने कड़ा संघर्ष करते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपने परिवार को गर्व महसूस कराया। पीठ की तकलीफ से जूझते हुए भी इसाक ने क्लीन एंड जर्क में शानदार प्रदर्शन किया। स्नैच में दूसरे स्थान पर रहने के बाद उन्होंने कुल 235 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जीत के तुरंत बाद उनके चाचा ने उन्हें गले लगा लिया, जो इस युवा खिलाड़ी के जीवन में एक मार्गदर्शक की तरह रहे हैं। इसाक के पिता हेमिंग मालसावमटलुआंगा की 2018 में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, उसी साल उन्होंने वेटलिफ्टिंग की शुरुआत की थी। परिवार के इकलौते बेटे होने के कारण उनके सामने यह सवाल खड़ा हो गया था कि वह खेल जारी रखें या परिवार की जिम्मेदारियां संभालने के लिए कमाई पर ध्यान दें। इसाक ने साई मीडिया से बातचीत में बताया, उस समय मेरे बचपन के कोच सोमा ने मुझे बहुत प्रेरित किया और वेटलिफ्टिंग जारी रखने के लिए कहा। हालांकि, 2024 में हिमाचल प्रदेश में आयोजित यूथ नेशनल चैंपियनशिप में 60 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने के बाद जब उनका प्रदर्शन बेहतर होने लगा, तभी एक और निजी झटका लगा। उनकी मां को कैंसर का पता चला, जिससे परिवार पर भावनात्मक और आर्थिक दबाव बढ़ गया।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 : महिला फुटबॉल : छत्तीसगढ़ और झारखंड फाइनल में

नक्सलवाद पर सियासत तेज

अमित शाह को भूपेश बघेल ने दी खुली बहस की चुनौती

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खात्मे के दावों के बीच अब राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उन्हें खुली बहस की चुनौती दी है, वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बघेल के आरोपों को असत्य बताते हुए पलटवार किया है। दरअसल, संसद में नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की पिछली सरकार के दौरान केंद्र को अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। उन्होंने तीखे अंदाज में कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो वे इस संबंध में सबूत भी पेश कर सकते हैं। शाह ने यह भी कहा कि 2023 में राज्य में सरकार बदलने के बाद सहयोग बेहतर हुआ, जिसके आधार पर 24 अगस्त 2024 को 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का लक्ष्य तय किया गया था। अमित शाह के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भूपेश बघेल ने उन्हें सीधे बहस की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने संसद में गलत बयान दिया है और कांग्रेस सरकार ने हमेशा केंद्र का सहयोग किया। बघेल ने कहा, समय और स्थान तय कर लें, मैं बहस के लिए तैयार हूं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार नक्सलवाद के मुद्दे पर देश और प्रदेश को गुमराह कर रही है। साथ ही उन्होंने बस्तर क्षेत्र के विकास को लेकर सवाल उठाते हुए पूछा कि हर गांव को एक करोड़ रुपये देने का वादा कब पूरा होगा।

गर्मी में पेयजल की समस्या ना हो, इसका ध्यान रखें

रायपुर। ग्रीष्म ऋतु में पानी की समस्या ना हो इसको लेकर नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने जल प्रदाय विभाग की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा की ग्रीष्म कालीन में शुद्ध पेयजल सप्लाई में किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो, लोगों को दोनो समय पर शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो, इसका पूर्ण ध्यान रखे। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने जल प्रदाय विभाग अंतर्गत पेयजल सप्लाई व फिल्टर प्लांट हो रहे कार्यों को लेकर समीक्षा की। उन्होनें कहा कि गर्मी में पानी की समस्या उत्पन्न हो जाता है जिसे ध्यान में रखते हुए पहले से तैयारी कर लेवें। सभी पंप ऑपरेटर अपने फिल्ड प्रभारी के बिना अनुमति के अवकाश पर ना जावें। समयानुसार अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए वार्डों में पेयजल सप्लाई करें तथा वार्डों से शिकायत ना आयें इसका पूर्ण ध्यान रखे। उन्होनें कहा कि वार्ड की नागरिकों से अपना व्यवहार अच्छा रखे ताकि पेयजल सप्लाई के दौरान परेशानी ना हो। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने विभागीय अधिकारियों ऑपरेटरो को निर्देशित करते हुए कहा कि शुद्ध पेयजल प्रदान करना हमारा प्रथम कर्तव्य है, नागरिकों को शुद्ध पेयजल मिले इसका पूर्ण ध्यान रखे।

शादी का झांसा, सालों तक शोषण आरोपी गिरफ्तार....

रायपुर। संवाददाता

भरोसे और रिश्तों की आड़ में चले एक लंबे शोषण के खेल का पर्दाफाश करते हुए सिटी कोतवाली पुलिस ने उस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जिसने शादी का झांसा देकर वर्षों तक एक युवती के साथ दुष्कर्म किया, मामला तब सामने आया जब पीड़िता ने थाना बोधघाट जिला बस्तर में शिकायत दर्ज कराई जो सीसीटीएनएस के जरिए कांकेर पुलिस तक पहुंची और तुरंत धारा 69 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई, जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी प्रवेश कुमार यादव उम्र 32 वर्ष निवासी नंदनमारा थाना कांकेर की पहचान पीड़िता से नंदनमारा स्थित एक वृद्धाश्रम में काम के दौरान हुई थी, यहीं से आरोपी ने झूठे प्रेम और शादी के वादों का जाल बिछाया और 24 मार्च 2013 को पीड़िता को अपने घर ले जाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाए, इसके बाद आरोपी लगातार पीड़िता के घर आता-जाता रहा, परिवार जैसा विश्वास कायम किया और इसी भरोसे का फायदा उठाकर 20 अक्टूबर 2025 तक लगातार उसका शोषण करता रहा, जब पीड़िता ने विवाह का दबाव बनाया तो आरोपी ने टालमटोल शुरू कर दिया और सच्चाई सामने आने लगी, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू और एसडीओपी मोहसिन खान के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई।

समाज प्रमुखों और पत्रकारों की पुनर्वास करवाने में रही अहम भूमिका

दो साल में समाप्त हुई 5 दशक पुरानी नक्सल समस्या-विजय

रायपुर। संवाददाता

रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में डिप्टी सीएम और गृह मंत्री विजय शर्मा ने 31 मार्च की डेडलाइन के आखिरी दिन बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि पांच दशकों पुरानी नक्सल समस्या दो साल में अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है। यह राज्य के लिए यह स्मरणीय और वंदनीय है, जिसे सुरक्षा बलों, सरकार और बस्तर की जनता के संयुक्त प्रयासों से संभव बनाया गया। विजय शर्मा ने आगे कहा कि, दिसम्बर 2023 में सरकार बदल गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में जनवरी 2024 की बैठक में एक चर्चा होती है कि, देश में 75 फीसदी नक्सलवाद हमारे छत्तीसगढ़ में था। उस बैठक में यह निर्देश दिए गए कि, सीआरपीएफ बीएसएफ और पुलिस इस बात की गणना बतायेगे कि, कैसे नक्सलवाद का समूल नाश और उन्मूलन किया जाएगा, यह अपनी रिपोर्ट में दें। उन्होंने आगे कहा कि, दूसरी बैठक 24 अगस्त 2024 में इन रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह घोषणा कि, जो नक्सली लोगों की हत्याएं करते हैं, उन्हें 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को समाप्त करने की घोषणा की थी। उस समय सभी के मन में यह आया था कि, यह कैसे होगा। मेरे मन में भी यह बात आई थी और मैंने उनसे पूछा भी था कि, यह कैसे होगा। तब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में रोड़मैप बताया था। जिसमें उन्होंने सभी संस्थाओं की रिपोर्ट का जिक्र किया था। जिसमें उन्होने बताया था कि, कैसे इन योजनाओं पर काम करके हम नियत समय पर लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। जिसमें उन्होंने यह ठान लिया था कि, नक्सलवाद खत्म होना चाहिए और बस्तर में स्कूल, रोड, अस्पताल, उन्नत किस्म के बीज और पानी समेत

कई सुविधाएं पहुंचनी चाहिए। इसी बीच जनवरी से अगस्त के बीच में काफी और गतिविधियां हुई थी। जिसमें एक बार स्वयं मैंने बार कोड जारी कर कहा था कि, पुनर्वास कैसा होना चाहिए या अन्य फीडबैक दे सकते हैं। मैंने कहा था कि, यदि कोई बात करना चाहता है तो सरकार छोटे हो या बड़े समूह से निशर्त बात करने को तैयार है। उन्होने आगे कहा कि, लाल आतंक को खत्म करने का सबसे बड़ा श्रेय बस्तर की जनता को जाता है। दूसरा सबसे बड़ा श्रेय सशस्त्र बलों के जवानों को जाता है, जिनकी भुजाओं की ताकत से इसे संभव किया गया। विधानसभा चुनाव के पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि, यदि सरकार बनती है तो हम नक्सलवाद को खत्म करने का काम करेंगे। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इसकी घोषणा की और सरकार बनने पर इस पर कवायत भी शुरू हुई। इस अभियान में टेक्नोलॉजी बेस्ड इंटेलिजेंस को कई क्षेत्रों में पुख्ता किया गया। जिसमें जंगल स्पष्ट दिखता था, इसलिए जब ऑपरेशन हुए तो एकदम परफेक्ट सफलता मिली जिसमें अनेक नक्सली न्यूट्रलाइज हुए और जवानों को कोई खरोच तक नहीं आई। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने आगे कहा कि, जब ऑपरेशन हो रहे थे तो विपक्ष से सहयोग की अपेक्षा थी। लेकिन उन्होंने फर्जी मुठभेड़ के आरोप लगाने शुरू कर दिए थे। जिसमें पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भी फर्जी मुठभेड़ का आरोप लगाया था। जिसके बाद नक्सलियों ने पत्र जारी कर बताया था कि, हां इतने ही लोगों का एनकाउंटर हुआ है।

संपादकीय

होर्मुज पर ईरान के फैसले से भारत समेत दुनिया को बड़ी राहत

मौजूदा संकट के बीच सरकार ने तेल और गैस का पर्याप्त भंडार होने की बात कही है, लेकिन सच यह है कि आम लोग रसोई गैस, तेल और उर्वरकों की कमी से ज्यादा मुश्किल का सामना कर रहे हैं।पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने जवाब के तौर पर जो मोर्चे खोले, उसमें होर्मुज जलमार्ग को बाधित करना उसकी एक कारगर रणनीति साबित हुई है। इसी वजह से आज हालत यह है कि दुनिया के कई देश ईरान के सख्त रुख की वजह से कच्चे तेल और गैस के संकट का सामना कर रहे हैं।इनमें वैसे देश भी हैं, जिन्होंने ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले में कोई प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं की है, वे किसी भी पक्ष में मैदान में नहीं है और मतभेद के मुद्दों का हल संवाद के जरिए करने के समर्थक हैं। भारत ने भी पश्चिम एशिया में उभरे संकट का समाधान बातचीत से निकालने के लिए आवाज उठाई है।शायद यही वजह है कि अब ईरान ने होर्मुज जलमार्ग से चीन और रूस सहित जिन पांच देशों को अपने जहाज निकालने की छूट दी है, उनमें भारत भी शामिल है। यों भारत आने वाले चार जहाज पहले ही होर्मुज जलमार्ग को पार कर चुके हैं, लेकिन अठारह जहाज उसी इलाके में फंसे हुए थे।ईरान के ताजा रुख के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि भारत के बाकी जहाज वहां से निकल कर आ सकेंगे और इससे देश में तेल और गैस के गहराते संकट को कम करने में मदद मिलेगी।हालांकि अमेरिका और इजरायल को लेकर ईरान अब भी सख्त है और शांति प्रस्तावों को लेकर भी उसने कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। मगर होर्मुज जलमार्ग पर उसके रुख में आई नरमी से दुनिया के कुछ देशों को राहत मिल सकती है।बाकी ईरान जिन्हें शत्रु देश मानता है, उनके जलपोतों को लेकर वह अब भी सख्त है। जहां तक भारत का सवाल है, तो ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि हमने कुछ ऐसे देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत दी है, जिन्हें हम मित्र मानते हैं।इसमें चीन, रूस, भारत, इराक तथा पाकिस्तान शामिल हैं। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से भारत ईरान के साथ लगातार कूटनीतिक संवाद के जरिए पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म कराने के साथ-साथ होर्मुज जलमार्ग से अपने लिए भी एक रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा था।कुछ उतार-चढ़ाव को छोड़ दें, तो भारत और ईरान के संबंध दोस्ताना रहे हैं।

पूरी दुनिया में प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुकी है। ऐसे में एक ओर वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को बचाने का आह्वान किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ विभिन्न देश धरती के वातावरण को बारूद से भर देने वाले युद्धों में उलझे हुए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका बड़ा उदाहरण है। लंबे समय से चल रहा यह संघर्ष केवल सैनिकों और शहरों के लिए त्रासदी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी एक गहरी चोट है। जब मिसाइलें तेल भंडारों, ऊर्जा संयंत्रों और रासायनिक कारखानों पर गिरती हैं, तो केवल इमारतें नहीं टूटतीं, हवा में विषैला धुआं फैलता है, नदियों में जहरीले पदार्थ घुलते हैं और मिट्टी की संरचना तक बदल जाती है। विडंबना यह है कि इस युद्ध में दुनिया की बड़ी ताकतें भी किसी न किसी रूप में इसके पीछे खड़ी दिखाई देती हैं। सैन्य सहायता, हथियारों की आपूर्ति और रणनीतिक समर्थन ने इस संघर्ष को लंबा और जटिल बना दिया है। यही वे देश हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पर्यावरण संरक्षण के सबसे मुखर प्रवक्ता भी हैं।

दुनिया भर के सम्मेलनों में पर्यावरण बचाने की बातें, युद्ध आते ही खामोश हो जाता है विमर्श

(प्रीति अज्ञात)

युद्ध के धुएं में गुम पर्यावरण के प्रश्न प्रीति अज्ञात आज के दौर में पर्यावरण की चर्चा इतनी व्यापक हो गई है कि इससे जुड़े शब्दों का एक अंतहीन जंगल बन गया है, जिसमें हर रास्ता पृथ्वी की चिंता तक ले जाता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलवायु परिवर्तन, कार्बन उत्सर्जन, जैव विविधता और सतत विकास जैसे शब्द बार-बार गूंजते हैं। सम्मेलनों में पृथ्वी को बचाने के संकल्प लिए जाते हैं, भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित ग्रह की कल्पना की जाती है और यह घोषणा की जाती है कि पर्यावरण संकट मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ा खतरा है। मगर जैसे ही कहीं युद्ध का नगाड़ा बजता है, यह पूरा विमर्श मानो अचानक मौन हो जाता है। धरती और इसके वातावरण की रक्षा की वह नैतिकता, जो शांति के दिनों में इतनी मुखर दिखाई देती है, युद्ध की आहट पाते ही धुएं में विलीन हो जाती है। तब पर्यावरण की चिंता पीछे छूट जाती है और सामने आ खड़ी होती है शक्ति, प्रभुत्व और भू-राजनीति की कठोर भाषा। यह आधुनिक सभ्यता की सबसे गहरी विडंबनाओं में से एक है।

पूरी दुनिया में प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुकी है। ऐसे में एक ओर वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को बचाने का आह्वान किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ विभिन्न देश धरती के वातावरण को बारूद से भर देने वाले युद्धों में उलझे हुए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका बड़ा उदाहरण है। लंबे समय से चल रहा यह संघर्ष केवल सैनिकों और शहरों के लिए त्रासदी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी एक गहरी चोट है। जब मिसाइलें तेल भंडारों, ऊर्जा संयंत्रों और रासायनिक कारखानों पर गिरती हैं, तो केवल इमारतें नहीं टूटतीं, हवा में विषैला धुआं फैलता है, नदियों में जहरीले पदार्थ घुलते हैं और मिट्टी की संरचना तक बदल जाती है। विडंबना यह है कि इस युद्ध में दुनिया की बड़ी ताकतें भी किसी न किसी रूप में इसके पीछे खड़ी दिखाई देती हैं। सैन्य सहायता, हथियारों की आपूर्ति और रणनीतिक समर्थन ने इस संघर्ष को लंबा और जटिल बना दिया है। यही वे देश हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पर्यावरण संरक्षण के सबसे मुखर प्रवक्ता भी हैं।

इसी तरह अब इजरायल-अमेरिका तथा ईरान ने भी युद्ध का मोर्चा खोल दिया है। इसने मध्य-पूर्व की धरती को एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ा कर दिया है। इस संघर्ष में गाजा पट्टी से लेकर ईरान, इजरायल और खाड़ी क्षेत्र के अन्य देशों में हो रही बमबारी केवल मानवीय त्रासदी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के विनाश का कारण की भी बन रही है। गाजा की सीमित भूमि पर हजारों बमों की बरसात ने वहां मिट्टी को विषैला बना दिया है। बारूदी हमलों से जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं, समुद्री तट प्रदूषित हो रहे हैं और हवा में बारूद का जहर घुल रहा है। युद्ध का यह पर्यावरणीय पक्ष अक्सर मानवीय त्रासदी की विशालता के पीछे छिप जाता है, लेकिन उसका प्रभाव कहीं अधिक दीर्घकालिक होता है। इतिहास ऐसी घटनाओं की सच्चाई को उजागर करता है, लेकिन उससे कोई सबक नहीं लिया जाता। वर्ष 1991 के खाड़ी युद्ध के दौरान कुवैत के तेल कुओं में लगी आग ने महीनों तक आसमान को काले धुएं से ढक दिया था, जो केवल युद्ध नहीं, बल्कि पर्यावरण पर भी हमला था। इसी तरह वियतनाम युद्ध में जंगलों को नष्ट करने के लिए 'एजेंट ऑरेंज' जैसे रसायनों का प्रयोग किया गया, जिसने लाखों हेक्टेयर जंगल नष्ट कर दिए और वहां की धरती तथा हवा को जहरीला बना दिया।

युद्ध का हर विस्फोट केवल सैनिकों को नहीं मारता, वह धरती की छाती में भी एक घाव बनाता है। एक बम जब गिरता है, तो उसके साथ हजारों टन कार्बन वातावरण में फैल जाता है। टैंक और लड़ाकू विमान ईंधन की ऐसी खपत करते हैं, जिसकी कल्पना भी सामान्य जीवन में

नहीं की जा सकती। यदि युद्ध के दौरान होने वाले कार्बन उत्सर्जन को सही गणना की जाए, तो शायद वह कई छोटे देशों के कुल वार्षिक उत्सर्जन से भी अधिक होगा। फिर भी अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलनों में इस विषय पर बहुत कम चर्चा होती है, क्योंकि युद्ध के समय नैतिक प्रश्नों को अक्सर राष्ट्रवाद की चादर से ढक दिया जाता है। पर्यावरण की बात करने वाले कई वैश्विक मंच भी इस विषय पर मौन साध लेते हैं। युद्ध और पर्यावरण के बीच का संबंध केवल प्रदूषण तक सीमित नहीं है। युद्ध प्राकृतिक संसाधनों के विनाश का भी कारण बनते हैं। जंगलों को काटकर सैन्य अड्डे बनाए जाते हैं और खनिज संपदाओं पर नियंत्रण के लिए संघर्ष छेड़े जाते हैं। इस दृष्टि से देखें, तो युद्ध और पर्यावरण संकट एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि पर्यावरण के नाम पर नैतिकता का पाठ वही देश पढ़ाते हैं, जिनकी सैन्य शक्ति सबसे अधिक है। ये विकासशील देशों को कार्बन उत्सर्जन कम करने की सलाह देते हैं, लेकिन अपने सैन्य उद्योगों के उत्सर्जन पर शायद ही कभी चर्चा करते हैं। यहां सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या पर्यावरण की चिंता केवल एक राजनीतिक औजार है? क्या यह गंभीरता तभी जागृत होती है, जब किसी विकासशील देश के उद्योगों पर सवाल उठाने हों? मगर पृथ्वी की वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक है। धरती किसी एक राष्ट्र की नहीं है। हवा, पानी, मिट्टी और जंगल पूरी मानवता की साझा धरोहर हैं।

जब किसी युद्ध में तेल के भंडार जलते हैं, तो उनका धुआं पूरी दुनिया के वातावरण में फैलता है। जब रासायनिक कारखाने नष्ट होते हैं, तो उनके विषैले अवशेष नदियों और समुद्रों तक पहुंच जाते हैं। इसलिए युद्ध को केवल राजनीतिक या सामरिक घटना के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह केवल मानवता का ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संकट का भी एक बड़ा कारण है। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि आज की दुनिया में युद्ध और पर्यावरण पर विमर्श एक साथ चल रहे हैं, मगर दोनों के बीच कोई वास्तविक संवाद नहीं है। एक तरफ जलवायु सम्मेलन हो रहे हैं, दूसरी तरफ हथियारों की दौड़ तेज होती जा रही है।

संभवतः मानव सभ्यता इतिहास के उस मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना होगा कि वह पृथ्वी को बचाना चाहती है या अपने अहंकार को, क्योंकि युद्ध उसी अहंकार की अभिव्यक्ति है, जो यह मानता है कि शक्ति ही सबसे बड़ा सत्य है। आज जलवायु परिवर्तन, असामान्य मौसम और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती संख्या हमें यही संकेत दे रही है कि पृथ्वी की सहनशीलता की भी एक सीमा है। यदि मानव सभ्यता सचमुच पृथ्वी को बचाना चाहती है, तो उसे केवल पर्यावरणीय नीतियों पर ही नहीं, बल्कि युद्ध की मानसिकता पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। जब तक राष्ट्र अपनी शक्ति का प्रदर्शन युद्ध के मैदानों में करते रहेंगे, तब तक पर्यावरण संरक्षण की सारी घोषणाएं शब्दों के जंगल से अधिक कुछ नहीं होंगी।

युद्ध पृथ्वी के उस संतुलन को नष्ट करते हैं, जिसे बनाने में प्रकृति को लाखों वर्ष लगे हैं। इसलिए पृथ्वी को बचाने की सबसे पहली शर्त ही यही है कि उसे युद्धभूमि बनने से रोका जाए। अन्यथा इतिहास यह लिखेगा कि मनुष्य ने पृथ्वी को बचाने के लिए असंख्य भाषण दिए, अनगिनत संकल्प लिए, लेकिन जब निर्णायक क्षण आया, तो उसने अपने ही हाथों से उस धरती की कोख में बारूद भर दिया, जिस पर मानव और मानवता का पूरा भविष्य टिका हुआ है। इस लेख में लेखक के निजी विचार हैं।

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

(उमेश चतुर्वेदी)

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा हैं।

केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम् किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

मलयालम को केरलम् की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा रहा है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा।

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा हैं। राज्य में इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं।

कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है।

केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौवीं, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी।

मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है। केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम 'मलयालम भाषा एक्ट 2025' की जगह 'केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025' होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल, कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था। बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा।

अमेरिका-ईरान युद्ध से अब इंटरनेट सेवाओं पर संकट के बादल

अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध के चलते अभी विश्व के देश ऊर्जा संकट का समाधान तो निकाल ही नहीं पा रहे कि डिजिटल सेवाओं के बाधित होने के भय से दुनिया के देशों की सरकारों की जान सांसत में आने लगी हैं। इंटरनेट आज प्रमुख आवश्यकताओं में से एक हो गया है। एयर लाइंस, बैंकिंग सेवाएं, संचार व्यवस्था जिसमें संवाद कायम करने से लेकर सभी तरह की डिजिटल सेवाएं, स्टॉक मार्केट आदि आदि बुरी तरह से प्रभावित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। आज इंटरनेट पर निर्भरता बहुत अधिक हो गई है। अमेरिका-ईरान युद्ध को जिस तरह से शुरुआती दौर में ट्रंप द्वारा हलके में लिया जा रहा था वास्तव यह ट्रंप की गलत फहमी ही रही। वैसे भी रुस यूक्रेन के युद्ध से ही अमेरिका को सबक लेना चाहिए था।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

इंटरनेट की दुनिया अभी छह दशक भी पूरे नहीं कर पाई है कि बड़ी समस्या सामने आ गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि 1960 में जब जेसीआर लिकलाइडर ने वैश्विक नेटवर्क की कल्पना की थी उस समय यह सोचा भी नहीं होगा कि तीन से चार दशक में ही इंटरनेट संचार जगत में बड़ी क्रांति लाने में सफल हो जाएगा।

अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध के चलते अभी विश्व के देश ऊर्जा संकट का समाधान तो निकाल ही नहीं पा रहे कि डिजिटल सेवाओं के बाधित होने के भय से दुनिया के देशों की सरकारों की जान सांसत में आने लगी हैं। इंटरनेट आज प्रमुख आवश्यकताओं में से एक हो गया है। एयर लाइंस, बैंकिंग सेवाएं, संचार व्यवस्था जिसमें संवाद कायम करने से लेकर सभी तरह की डिजिटल सेवाएं, स्टॉक मार्केट आदि आदि बुरी तरह से प्रभावित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। आज इंटरनेट पर निर्भरता बहुत अधिक हो गई है। अमेरिका-ईरान युद्ध को जिस तरह से शुरुआती दौर में ट्रंप द्वारा हलके में लिया जा रहा था वास्तव यह ट्रंप की गलत फहमी ही रही। वैसे भी रुस यूक्रेन के युद्ध से ही अमेरिका को सबक लेना चाहिए था। दोनों देश पास पास होने और संसाधनों की दृष्टि से रुस अधिक ताकतवर होने के बावजूद आज तक कोई अंत नहीं दिखाई दे रहा। अमेरिका ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में अभी तो उर्जा संकट है पर जिस तरह के हालात बनते जा रहे हैं आने वाले समय में मध्य पूर्व के देशों में पेयजल और दुनिया के देशों के लिए इंटरनेट सेवाओं के प्रभावित होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। दरअसल जिस तरह से कच्चे तेल और एलपीजी आदि की दुनिया के देशों में सप्लाई हार्मुज जलडमरुमध्य के रास्ते होने और ईरान द्वारा इस रास्ते में अवरोध बनने से उर्जा संकट गंभीर रुप लेता जा रहा है। ठीक यही समस्या इंटरनेट को लेकर हो सकती है। कारण साफ है। युद्ध समाप्ति या यों कहें कि सीज फायर के आसार अभी तक बनते नहीं लग रहे तो दूसरी ओर ज्यों ज्यों एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने के अधिक प्रयास होंगे तो ईरान हथियार के रुप में समुद्र में बिछी केबल्स को भी नुकसान पहुंचाने में

कोई गुरेज नहीं करेगा। दुनिया के इंटरनेट ट्रैफिक का प्रमुख रास्ता भी यही है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 20 प्रतिशत ट्रैफिक हार्मुज और लालसागर के रास्ते से गुजरता है। हार्मुज जलडमरुमध्य तो हालात यहां तक है कि सकरे स्थान पर तो मात्र 200 फीट की गहराई पर ही सबमैरिन केबल लाईने बिछी हुई है। लगभग यही हालात लालसागर के हैं। वहां भी इंटरनेट सेवाओं के लिए सबमैरिन केबल्स बिछी हुई है। ऐसा कयास लगाया जा रहा है कि ईरान द्वारा हार्मुज जलडमरुमध्य क्षेत्र में सुरंगे बिछाने का काम किया जा रहा है और इससे अन्य नुकसान होने के साथ ही फाइबर केबल्स के भी क्षतिग्रस्त होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। अधिकांश प्रमुख सेवा प्रदाताओं ने इसी क्षेत्र में डेटा सेंटर स्थापित कर रखे हैं। जानकारों के अनुसार हार्मुज क्षेत्र से करीब 20 और लालसागर क्षेत्र से 17 केबल्स गुजरती है। 2024 में भी लाल सागर क्षेत्र में हूती हमलों के दौरान केबल प्रभावित हो चुकी है। वर्तमान हालातों में यदि सबमैरिन केबल्स प्रभावित भी होती है तो हालात जिस तरह के हैं उनमें प्रभावित केबल्स को ठीक करनों में महीनों ही क्या साल भी लग सकता है और ऐसे में दुनिया के देश एक नए संकट के दौर से गुजरने को मजबूर हो जाएंगे।

इंटरनेट की दुनिया अभी छह दशक भी पूरे नहीं कर पाई है कि बड़ी समस्या सामने आ गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि 1960 में जब जेसीआर लिकलाइडर ने वैश्विक नेटवर्क की कल्पना की थी उस समय यह सोचा भी नहीं होगा कि तीन से चार दशक में ही इंटरनेट संचार जगत में बड़ी क्रांति लाने में सफल हो जाएगा। 1969 में अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा एंडवान्सड रिसर्च प्रोजेक्टस एजेन्सी नेटवर्क के लिए विंट सर्फ और बॉब काह्न ने टीसीपी/आईपी प्रोटोकाल विकसित किया। इंटरनेट की दुनिया में आमूलचूल बदलाव तो टिम बर्नर्स ली द्वारा डब्लूडब्लूडब्लू वर्ल्ड वाइड वेब विकसित किया तो इससे संचार दुनिया ही बदल गई। भारत में सही तौर पर तो 1995 में वीएसएनएल ने इंटरनेट सेवाओं का विस्तार किया। आज बड़ी समस्या यह है कि अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि के विशाल डेटा सेंटर यूएई और सउदी आदि देशों में हैं। यही कारण है कि समुद्री रास्ते से फाइबर केबल्स भी हार्मुज जलडमरुमध्य व लालसागर होते हुए ही हैं। यदि केबल्स में व्यवधान होती है या किसी तरह से जाने अनजाने नुकसान पहुंचता है तो वीडियो काल, ईमेल आदि से लेकर इंटरनेट से जुड़ी सभी तरह की सेवाएं प्रभावित हो सकती है और इसीको लेकर चिंता की लकीरें खिंचने लगी है।

वैसे आज संयुक्त राष्ट्र संघ तो बेमानी हो गया है। दुनिया के देशों के अलग अलग बने संगठन चाहे वे नाटो हो या ब्रिक्स या पिछले कुछ सालों के देश-दुनिया के हालातों में बेमानी हो गए हैं। वैश्विक हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि कोई ना कोई ऐसी नियामक संस्था या कोई ना कोई इस तरह की बाध्यकारी व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए जिससे दुनिया के देशों और उनके नागरिकों से जुड़ी सुविधाओं से छेड़छाड़ ना हो इस तरह की व्यवस्था किया जाना आवश्यक है। किसी भी देश या संगठन को इस तरह की सार्वभौमिक सेवाओं को बाधित करने से रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। क्योंकि दुनिया के देशों में कौन कब सिरफिरा नेता अपने अहम् की शांति के लिए दुनिया को संकट में डाल दे इसकी संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। आज ऊर्जा, पानी, स्वास्थ्य, डिजिटल दुनिया आदि आदि ऐसी सेवाएं है जिनके प्रभावित होने का असर समूची नहीं तो अधिकांश देशों पर पड़ता है और यह दुष्प्रभाव केवल देशों तक ही नहीं अपितु वहां निवास करने वाले करोड़ों नागरिकों पर सीधे सीधे पड़ता है। ऐसे में पूरी वैश्विक व्यवस्था को ही ठप्प करने वाले प्रयासों पर अंकुश या कारगर रोक लगाया जाना जरुरी हो जाता है। दो देशों के टकराव के चलते समूची दुनिया या दुनिया के अधिकांश देशों को संकट में नहीं डाला जा सकता। दुनिया के देशों को इस दिशा में ठोस पहल करनी ही होगी। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कलेक्टर ने छात्रावास अधीक्षकों के साथ की समीक्षा बैठक, शैक्षणिक सत्र हेतु तय की प्राथमिकताएं

बीजापुर। कार्यालय के इन्द्रावती सभाकक्ष में कलेक्टर संबित मिश्रा की अध्यक्षता में आदिवासी विकास विभाग बीजापुर द्वारा जिले में संचालित आश्रम-छात्रावासों के अधीक्षक, अधीक्षिकाओं का बैठक आयोजित किया गया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नम्रता चौबे सहायक आयुक्त आदिवासी विकास देवेन्द्र सिंह सहित विकास खण्ड से समस्त मण्डल संयोजक एवं आश्रम, छात्रावासों के अधीक्षक, अधीक्षिकाएं एवं कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी बीजापुर के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि नये शैक्षणिक सत्र 2026-27 में जिन बच्चों के गांव में शासकीय विद्यालय उपलब्ध है, उनका प्रवेश उसी गांव में स्थित विद्यालय में कराया जाए। ऐसे विद्यार्थियों का आश्रम/छात्रावास में प्रवेश न लिया जाए जिन्हे उनके निकटस्थ गांव के विद्यालय में प्रवेश दिया जाये। शाला त्यागी एवं दुर्गम क्षेत्र के बच्चों प्राथमिकता के आधार पर जिला कार्यालय के अनुमति के पश्चात प्रवेश दिया जा सकता है। अन्य जिले के बच्चों को जो वर्तमान में विभागीय आश्रम/छात्रावास में निवासरत है उन छात्रों को नवीन सत्र में उनके मूल गृह जिला में स्थानांतरण किया जाये एवं बच्चों की उसकी सूची 08 अप्रैल 2026 तक मण्डल संयोजक के माध्यम से कार्यालय को उपलब्ध कराये। सत्र 2026-27 में विभागीय आश्रम/छात्रावासों में प्रवेश लेते समय इस बात का विशेष ध्यान दिया जाये, किसी भी स्थिति में स्वीकृत सीट से अधिक छात्रों को प्रवेशित नहीं दिया जाये। आश्रम/छात्रावासों में सभी अधीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि आश्रम-छात्रावास में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं जो लम्बे समय से अनुपस्थित है उनके पालकों से संपर्क स्थापित कर छात्रावास में वापस आने हेतु सुझाव करें एवं नहीं आने की स्थिति में आश्रम/छात्रावास संचालन नियमावली के तहत कार्यवाही सुनिश्चित करें। आश्रम/छात्रावास में सुरक्षा की दृष्टि से संस्था आने एवं जाने वाले व्यक्तियों का विवरण आगंतुक पंजी में आवश्यक रूप से इन्द्राज किया जाए। ग्रीष्म कालीन अवकाश एवं शासन द्वारा निर्धारित त्योहार अवकाश के बाद जब बच्चे संस्था में वापस आते है तो उन छात्रों का अनिवार्य रूप स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाये, विशेष रूप से कन्या छात्रावासों के छात्राओं का। प्रत्येक संस्था में भोजन परीक्षण पंजी अनिवार्य रूप से संधारित किया जाए। प्रतिदिन भोजन तैयार होने के उपरांत अधीक्षक, प्रभारी, नामित कर्मचारी द्वारा भोजन का स्वाद टेस्ट किया जाए। परीक्षण उपरांत पंजी में निम्न विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए। स्वाद टेस्ट करने वाले का नाम दिनांक समय भोजन का प्रकार नाश्ता, दोपहर, रात्रि गुणवता, स्वाद संबंधी टिप्पणी परीक्षणकर्ता के हस्ताक्षर, सभी अधीक्षक, अधीक्षिकाओं अपने स्टॉक पंजी में वर्तमान में जो सामग्री उपलब्ध है उनका विवरण होना अनिवार्य है पंजी अद्यतन स्थिति में होना चाहिए। खराब सामग्री को अपलेखन समिति के समक्ष आनुमोदन पश्चात् नियमानुसार अपलेखन की कार्यवाही किया जाये। ग्रीष्मकालीन अवकाश प्रारंभ होने से पूर्व आश्रम/छात्रावास में निवासरत छात्र-छात्राओं को अवकाश हेतु प्रस्थान करने की अनुमति प्रदान न दिया जाए शासन द्वारा निर्धारित तिथि पर ही विद्यार्थियों को अनुमति देकर अवकाश पर भेजा जाना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर मिश्रा ने निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा और संस्था के संचालन पर किसी भी प्रकार की अनियमिता न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

शिव मंदिर प्रांगण में नव-निर्मित डोम शेड का भव्य लोकार्पण

किरन्दुल। किरन्दुल वार्ड क्रमांक 02 ओड़िया कैंप बैगपारा स्थित शिव मंदिर के पावन प्रांगण में सोमवार नव-निर्मित डोम शेड का भव्य लोकार्पण नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह के करकमलों द्वारा संपन्न किया गया। यह डोम शेड क्षेत्र के श्रद्धालुओं, आम नागरिकों एवं मंदिर में आयोजित होने वाले धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्मित किया गया है। इसके निर्माण से अब मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को धूप, वर्षा एवं अन्य मौसम की परिस्थितियों से राहत मिलेगी, जिससे वे अधिक आराम और सुविधा के साथ पूजा-अर्चना एवं अन्य आयोजनों में सहभागिता कर सकेंगे। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि क्षेत्र के विकास और नागरिकों की सुविधा उनकी प्राथमिकता है, और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से आपसी सहयोग और सहभागिता बनाए रखने की अपील भी की।वार्ड पार्षद गिरजा ठाकुर ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह डोम शेड क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के विकास कार्यों से वार्ड में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

पुनर्वासित युवाओं के लिए बौद्धिक शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम शुरू : 38 युवा बस से रायपुर के लिए रवाना

सुकमा। जिले के पुनर्वासित युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके आत्मविश्वास को मजबूत करने के उद्देश्य से सुकमा जिला प्रशासन द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन तथा जिला पंचायत सीईओ मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत -नियद नेल्लनार- कार्यक्रम के तहत युवाओं के लिए दो दिवसीय बौद्धिक एवं शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान युवा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और अन्य अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत जिले के पुनर्वासित युवाओं को शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली से परिचित कराने, उनके ज्ञान का विस्तार करने तथा समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में बुधवार को नोडल अधिकारियों के साथ कुल 38 प्रतिभागियों को ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा (रायपुर) के लिए रवाना किया गया। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को राजधानी रायपुर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का शैक्षणिक दौरा कराया जाएगा। इसमें मंत्रालय, विधानसभा, जंगल सफारी, आदिवासी संग्रहालय, विज्ञान केंद्र, स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, सिटी सेंटर मॉल तथा पुरखौती मुक्तांगन जैसे स्थान शामिल हैं। इन स्थलों के भ्रमण से युवाओं को शासन व्यवस्था, आधुनिक विकास, विज्ञान एवं संस्कृति से जुड़े विविध पहलुओं को समझने का अवसर मिलेगा। जिला प्रशासन की यह पहल पुनर्वासित युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है, जिससे उन्हें नए अवसरों की जानकारी मिलने के साथ-साथ अपने जीवन को बेहतर दिशा देने की प्रेरणा भी प्राप्त होगी।

मंत्री केदार कश्यप ने किया मेगा सुपरस्पेशलिटी हेल्थ कैंप का शुभारंभ

सुकमा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए 28 एवं 29 मार्च को मिनी स्टेडियम, सुकमा में जिलास्तरीय मेगा सुपरस्पेशलिटी हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य विभाग मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने विधिवत पूजा अर्चना और दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में हृदय रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, पेट संबंधी रोग, किडनी, कैंसर, बाल रोग एवं श्वास रोग जैसी गंभीर बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टर एक ही स्थान पर उपलब्ध है। प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने स्वयं भी शिविर में बीपी, शुगर सहित अन्य स्वास्थ्य जांच कराई तथा शिविर में पहुंचे मरीजों से चर्चा कर उनकी स्वास्थ्य समस्याओं की जानकारी ली। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर अमित कुमार ने जिले की प्राथमिक जानकारी प्रस्तुत की। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि वर्षों से नक्सलवाद की पीड़ा को जिले के वनांचल क्षेत्र के लोगों ने सहा है, लेकिन अब शासन द्वारा लगातार विकास एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में ठोस कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना, आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निःशुल्क उपचार, तथा पुवर्ती में उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण जैसे कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र में विकास की नई रह खुल रही है और नक्सलमुक्ति की दिशा में जिले ने ऐतिहासिक प्रगति की है। प्रभारी मंत्री ने बताया कि जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस मेगा कैंप में हजारों की संख्या में लोग पहुंच रहे हैं तथा लगभग 40 विशेषज्ञ डॉक्टर सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि बैंगलोर मेडिकल कॉलेज, मैसूर मेडिकल कॉलेज और मणिपाल मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ डॉक्टर इस शिविर में पहुंचे है। इस शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ परामर्श तथा दवाओं का वितरण पूरी तरह निःशुल्क किया जा रहा है। इससे दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों के वे नागरिक, जो अब तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित थे, उन्हें सीधे लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर ने आभार व्यक्त किया। अंत में प्रभारी मंत्री केदार कश्यप को सम्मान स्वरूप मोमेंटो भेंट किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर अमित कुमार, एसपी किरण चव्हाण, जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर, कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. मंजूनाथ, एसडीएम सुकमा सूरज कश्यप, महिला आयोग सदस्य दीपिका सोरी, नगर पालिका अध्यक्ष हुंगाराम मरकाम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष महेश कुंजाम, जनपद उपाध्यक्ष रीना पेद्दी, नगर पालिका उपाध्यक्ष भुवनेश्वरी यादव, जनप्रतिनिधि घनीराम बारसे, अरुण सिंह भदौरिया, दिलीप पेद्दी, विश्वराज चौहान, संजय सोढ़ी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

किरन्दुल सुभाष नगर में श्री हरिचांद ठाकुर की 214 तम जन्मोत्सव आयोजन का समापन

किरंदुल। श्री हरिचांद ठाकुर का 214 तम जन्मोत्सव का आयोजन कल्पतरु श्री हरिचांद सेवा संघ सुभाष नगर किरन्दुल के तत्वाधान में पूर्ण भक्तिभाव उत्साह एवम उमंग के साथ किया गया। आयोजन के प्रथम दिवस दल वरण एवम रात्रि भर भजन कीर्तन किया गया। तत्पश्चात द्वितीय दिवस प्रातः 05 बजे प्रभाती गीत, प्रातः 09 बजे तक नगर कीर्तन एवम धूलोटी, दोपहर 12 बजे भोग आरती की गई। तत्पश्चात दोपहर 01 बजे से महाभंडारे का आयोजन जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

महावीर जयंती के अवसर पर परियोजना अस्पताल किरन्दुल में की गई फल वितरण

किरन्दुल। लौहनगरी किरन्दुल में महावीर जयंती के अवसर पर जैन समुदाय के लोगों द्वारा सामूहिक नवकार मंत्र का जाप किया गया। तत्पश्चात जैन समाज के पदाधिकारियों द्वारा किरन्दुल स्थित एनएमडीसी परियोजना अस्पताल जाकर मरीजों को फल वितरित किया गया। इस दौरान एनएमडीसी महाप्रबंधक खनन एस के कोचर, रुपा कोचर, निश्चल चौधरी, दीप्ति चौधरी, लीला देवी, जैन समाज के प्रकाश चंद्र जैन, विशाल जैन, किरण जैन, ममता जैन, महेंद्र जैन, भावेश जैन, दिनेश जैन, संदीप जैन, सरला जैन, नीतल स्वेता, पीयूष जैन एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त व्याख्याता नीता सुरटी को सम्मानपूर्वक विदाई

बीजापुर। जिले के शिक्षा विभाग में लंबे समय तक सेवाएं देने वाली सेवानिवृत्त कर्मचारी नीता सुरटी (व्याख्याता) को आज सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर संबित मिश्रा द्वारा उन्हें शॉल, श्रीफल एवं पेंशन प्रमाण पत्र भेंट कर उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। कलेक्टर ने कहा कि सुरटी ने अपने कार्यकाल के दौरान निष्ठा, समर्पण एवं ईमानदारी के साथ शासकीय सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी कार्यशैली, अनुशासन एवं अनुभव आने वाली पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

भारत की ज्ञान विरासत का संरक्षण: 'ज्ञानभारतम् मिशन' को लेकर महत्वपूर्ण ब्लूप्रिंट तैयार

जगदलपुर। राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत ज्ञानभारतम् मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर आकाश छिकारा की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के आस्था हॉल में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान को जिले में सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।कलेक्टर छिकारा ने कहा कि ज्ञानभारतम् मिशन के तहत जिले में उपलब्ध प्राचीन पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण, संरक्षण और दस्तावेजीकरण महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शैक्षणिक संस्थानों एवं अन्य संबंधित इकाइयों के माध्यम से पाण्डुलिपियों की पहचान कर उनका व्यवस्थित संकलन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से जिले की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर कार्य करने तथा समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ण करने पर जोर दिया।बैठक में अभियान की रूपरेखा, क्रियान्वयन की रणनीति तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रतीक जैन, आयुक्त नगर पालिक निगम प्रवीण वर्मा, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के कुलसचिव सहित जिले के विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

केरपे ग्राम पंचायत में जन समस्या निवारण शिविर

बीजापुर। ग्राम पंचायत केरपे में विशेष सेवानिवृत्त योजना के अंतर्गत जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं से उपस्थित अधिकारियों को अवगत कराया। ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों ने आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। शिविर के दौरान पात्र हितग्राहियों के नए जॉब कार्ड बनाए गए तथा उनका वितरण भी किया गया। इसके अलावा, ग्रामीणों के बैंक खाते खुलवाने के लिए फॉर्म भरवाए गए, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे प्राप्त हो सके। शिविर में उपस्थित लोगों को विकसित भारत जी राम जी योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया गया।

नोवेशन महाकुंभ 1.0' का सफल आयोजन, विद्यार्थियों में नवाचार व उद्यमिता को मिला प्रोत्साहन

दंतेवाड़ा। शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दंतेवाड़ा में 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, उद्यमिता तथा स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर के कुलपति प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ शंकर त्रिपाठी (प्रांत पूर्णकालिक, स्वावलंबी भारत अभियान), डॉ. विनोद सोनी (सहायक प्राध्यापक, वानिकी) एवं डॉ. सुरेंद्र द्विवेदी (अतिथि व्याख्याता) भी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का महाविद्यालय परिवार द्वारा स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं शंकर त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नवाचार को सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने छात्रों को नए विचार विकसित करने, समस्याओं के समाधान खोजने तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही युवाओं को अपने कौशल का उपयोग कर रोजगार सृजन की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया।
कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एम. प्रसाद ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उनमें आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता का विकास करते हैं। नोडल अधिकारी सरला पैकरा ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि 'इनोवेशन महाकुंभ' छात्रों को अपने नवाचार प्रस्तुत करने, विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने तथा स्टार्टअप स्थापित करने का सशक्त मंच प्रदान करता है। कार्यक्रम में डॉ. शिखा सरकार, डॉ. अंजलि कश्यप, मिस धारणा ठाकुर, सिद्धार्थ देवांगन, दुश्यंत तारम, अमित साहू एवं अंजलि मिंज सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, अतिथि व्याख्याता एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा उन्होंने अतिथियों से संवाद कर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध हुआ और उन्हें नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वयंसेवकों ने बच्चों को मोबाइल से दूर रखने दिया सकारात्मक संदेश

बीजापुर। जिले में संचालित बीजादूतीर कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक भोपालपटनम के मद्देड़ साप्ताहिक बाजार में बीजादूतीर स्वयंसेवकों द्वारा पॉजिटिव पेरेंटिंग (सकारात्मक पालन-पोषण) विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वयंसेवकों ने अभिभावकों को यह संदेश दिया कि बच्चों के साथ डाँट-फटकार या तुलना करने के बजाय उनसे प्यार और धैर्यपूर्वक बात करना तथा उनकी भावनाओं को समझना अत्यंत आवश्यक है। नाटक में बच्चों के मानसिक एवं भावनात्मक विकास में सकारात्मक संवाद की भूमिका को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। इसके साथ ही बच्चों के जीवन में मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग के दुष्प्रभावों पर भी प्रकाश डाला गया और अभिभावकों को बच्चों को मोबाइल से दूर रखने एवं उनके साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए प्रेरित किया गया। डाँट नहीं, बात करें जैसे सरल और प्रभावशाली संदेश को रोचक अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिसे बाजार में उपस्थित ग्रामीणों ने ध्यानपूर्वक देखा और सराहा। कार्यक्रम के दौरान अच्छे पालन-पोषण, परिवार में संवाद और आपसी विश्वास के महत्व पर भी चर्चा की गई। यह पहल ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाने और बच्चों के बेहतर भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

दंतेवाड़ा में 5 नक्सलियों ने किया सरेंडर, 40 हथियार बरामद

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले में नक्सल विरोधी अभियान के बीच बड़ी सफलता मिली है। पांच नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है। इन सभी पर कुल 9 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, सरेंडर के बाद नक्सलियों से पूछताछ में महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके आधार पर 40 हथियार बरामद किए गए हैं। इनमें एसएलआर, इंसास रायफल, कार्बाइन, 303 रायफल और बीजीएल लॉन्चर जैसे हथियार शामिल हैं। इस कार्रवाई को माओवादी संगठन की सैन्य क्षमता पर बड़ा झटका माना जा रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के पश्चिम बस्तर डिवीजन से जुड़े थे। इनमें एक एरिया कमेटी सदस्य और अन्य पार्टी सदस्य शामिल हैं। सभी ने दंतेवाड़ा पुलिस लाइन कारली में पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन योजना के तहत मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। इस दौरान आईजी बस्तर रेंज, डीआईजी सीआरपीएफ, कलेक्टर और एसपी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024 से अब तक 607 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके है, जबकि 54 मारे गए और 92 को गिरफ्तार किया गया है। आईजी बस्तर रेंज ने कहा कि पुनर्वास योजना के तहत सरेंडर करने वाले युवाओं को सुरक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन का अवसर दिया जा रहा है। इससे क्षेत्र में शांति और विकास को बढ़ावा मिलेगा। पुलिस का मानना है कि लगातार चलाए जा रहे अभियानों और पुनर्वास नीतियों के कारण नक्सली संगठन कमजोर पड़ रहा है और अधिक से अधिक लोग मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

रतनपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: लूट व हमला करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार, 2 नाबालिग भी पकड़े गए

बिलासपुर। थाना रतनपुर क्षेत्र में लगातार बढ़ रही आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए रतनपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राहगीरों को रोककर लूटपाट और चाकू से हमला करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 2 विधि से संघर्षरत बालकों को भी पकड़ा गया है। साथ ही वाहनों पर पत्थरबाजी करने वाले 2 अन्य बदमाशों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, 30 मार्च 2026 को प्रार्थी सुमित कुमार रजवाड़े अपने भतीजे के साथ मोटरसाइकिल से ग्राम कोरबाभांवर जा रहे थे। इसी दौरान जूनाशहर बाईपास के पास मोटरसाइकिल सवार 4 युवकों ने उन्हें रोककर शराब पीने के लिए पैसे की मांग की। मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौच, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी। वहीं,29 मार्च 2026 को राहुल सिदार अपने साथियों के साथ शादी से लौट रहे थे, तभी जूनाशहर-लखनी देवी मंदिर मार्ग पर आरोपियों ने रास्ता रोककर पैसे मांगे। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट की और एक युवक अजय ध्रुव पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों मामलों में थाना रतनपुर में विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। थाना प्रभारी प्रशिक्षु डुक्क अंशिका जैन के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपियों की तलाश कर 4 संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से चाकू भी बरामद किया। गिरफ्तार आरोपियों में मनोष मरावी निवासी अमतरा थाना कोनी एवं विक्रम मरावी निवासी जूनाशहर शामिल हैं। दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है, जबकि 2 नाबालिगों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई कर उन्हें बाल न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा रतनपुर-कोटा मार्ग पर वाहनों पर पत्थरबाजी करने वाले सिद्धार्थ धुर्वे (20 वर्ष) और उमेन्द्र सिंह (25 वर्ष) निवासी जूनाशहर को भी गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी अंशिका जैन के नेतृत्व में निरीक्षक नीलेश कुमार पाण्डेय, उप निरीक्षक विष्णु यादव, सउनि दिनेश तिवारी, प्रधान आरक्षक बलदेव सिंह सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

चलती ट्रेन से धक्का देकर नाबालिग की हत्या, बॉयफ्रेंड समेत 3 हिरासत में

बिलासपुर । जिले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक नाबालिग लड़की को उसके बॉयफ्रेंड ने चलती ट्रेन से धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतका देविका वर्मा (14) 8वीं कक्षा की छात्रा थी और Khairagarh के चिचोला की रहने वाली थी। जानकारी के अनुसार, देविका 28 मार्च को अपने घर से बिना बताए Dongargarh निवासी मोहन वर्मा के साथ निकली थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध बताया जा रहा है। वे Wain Ganga E&press से कोरबा जा रहे थे, तभी रास्ते में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि गुस्से में आकर मोहन वर्मा ने देविका को चलती ट्रेन से धक्का दे दिया, जिससे नीचे गिरने पर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना Masturi थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने आरोपी बॉयफ्रेंड समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चारों युवक-युवती खैरागढ़ से डोंगरगढ़ पहुंचे और वहां से ट्रेन में सवार हुए थे।घटना के बाद परिजनों ने 29 मार्च को ठेलकाडीह थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फिलहाल मामले की जांच खैरागढ़ थाना पुलिस को सौंप दी गई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और शाम तक पूरे मामले का खुलासा करने की बात कही है।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में फर्नीचर खरीदी घोटाला : जांच समिति ने उठाए गंभीर सवाल

बिलासपुर । न्यायधानी स्थित अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय एक बार फिर विवादों में घिर गया है। विश्वविद्यालय में फर्नीचर खरीदी से जुड़ा करीब 92.55 लाख रुपये का मामला अब बड़े घोटाले के रूप में सामने आया है। तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट में खरीदी प्रक्रिया को न केवल संदेहास्पद बताया गया है, बल्कि इसमें कई स्तरों पर गंभीर अनियमितताओं और नियमों की अनदेखी का खुलासा भी हुआ है। बाजार से तीन गुना ज्यादा कीमत पर खरीदी- जांच समिति ने पाया कि विश्वविद्यालय द्वारा खरीदी गई फर्नीचर सामग्री बाजार मूल्य से दो से तीन गुना अधिक कीमत पर ली गई। यह खरीदी 15 अप्रैल 2025 को जेम पोर्टल के माध्यम से की गई थी, जिसकी कुल लागत 92,55,116 रुपये बताई गई है। समिति ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इतने बड़े वित्तीय लेन-देन में प्रतिस्पर्धी निविदा (बिडिंग) प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। जेम पोर्टल के नियमों का उल्लंघन- रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि जेम पोर्टल पर एल-1 पद्धति से सीधे खरीदी की गई, जबकि इस स्तर की खरीद के लिए खुले टेंडर आमंत्रित किए जाना आवश्यक था। इससे पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा दोनों प्रभावित हुईं। जांच समिति ने इसे नियमों का उल्लंघन माना है। **समितियों की भूमिका पर भी सवाल-** क्रय समिति और वित्त समिति की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं। समिति ने पाया कि इन दोनों समितियों ने केवल सामग्री की मात्रा की अनुशंसा की, जबकि उन्हें मूल्य का आकलन करते हुए प्रस्ताव देना चाहिए था। यह लापरवाही या जानबूझकर की गई अनदेखी मानी जा रही है। ये हैं विश्वविद्यालय क्रय समिति के सदस्य - डॉ. ऐलेक्जेंडर कुजूर वित्त अधिकारी, डॉ. एच.एस. होता-विभागाध्यक्ष (कम्प्यूटर साईंस एवं एप्लीकेशन), डॉ. डीएसवीजी के कलाधर विभागाध्यक्ष (माइक्रोबायोलॉजी एण्ड बायोइन्फर्मेटिक्स) डॉ. पूजा पाण्डेय विभागाध्यक्ष (कॉमर्स एण्ड फाइनेंशियल स्टडीज), यशवंत पटेल विभागाध्यक्ष (फूड प्रोसेसिंग एण्ड टेक्नोलॉजी), सौमित्र तिवारी (प्रभारी भण्डार शाखा) सदस्य के रूप में नामित हैं। कार्यपरिषद की अनुमति नहीं ली गई- विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुसार इतनी बड़ी राशि की खरीदी के लिए कार्यपरिषद की अनुमति अनिवार्य होती है। लेकिन जांच में यह तथ्य सामने आया कि इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को नजरअंदाज किया गया। केवल वित्त समिति और क्रय समिति की अनुशंसा के आधार पर खरीदी कर ली गई, जो नियमों के विपरीत है।एक ही जिले की फर्मों को मिला ठेका- जांच में यह भी उजागर हुआ कि फर्नीचर की पूरी खरीदी जांजगीर जिले के बनारी क्षेत्र की कुछ चुनिंदा फर्मों से की गई। इनमें सागर इंडस्ट्रीज, ओशन इंटरप्राइजेस और सिंघानिया ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज शामिल हैं। एक ही क्षेत्र की फर्मों को ठेका दिए जाने पर भी समिति ने संदेह जताया है। **खरीदा गया सामान बेकार पड़ा-** मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि लाखों रुपये खर्च कर खरीदा गया फर्नीचर अब तक उपयोग में नहीं लाया गया है। जांच में सामने आया कि सामान को विश्वविद्यालय परिसर में डंप कर दिया गया है।

बिलासपुर में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मिला नया विस्तार,16 नये एम्बुलेंस 108 सेवा में शामिल......

बिलासपुर। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 108 एम्बुलेंस सेवा में 16 नई एम्बुलेंस को शामिल किया गया। इन एम्बुलेंस को जिला कलेक्टोरेट परिसर से आज विधिवत हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिससे जिले में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की पहुंच और गति दोनों में सुधार की उम्मीद है।इस कार्यक्रम में विधायक अमर अग्रवाल, विधायक दिलीप लहरिया, विधायक सुशांत शुक्ला, महापौर पूजा विधानी, कलेक्टर संजय अग्रवाल तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शुभा गरेवाल सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि नई मिली 16 एम्बुलेंस में से 3 अत्याधुनिक एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) प्रणाली से सुसज्जित हैं। ये एम्बुलेंस चलती-फिरती आईसीयू के रूप में कार्य करेंगी, जिनमें वेंटिलेटर, मॉनिटरिंग सिस्टम, ऑक्सीजन सपोर्ट, डिफिब्रिलेटर एवं अन्य जीवनरक्षक उपकरण उपलब्ध हैं। इससे गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचने से पहले ही बेहतर प्राथमिक उपचार मिल सकेगा। नए मिले 16 एम्बुलेंस को पीएचसी सकरी, बिलासपुर आईएफटी, पीएचसी सीपत, सिम्स बिलासपुर, सीएचसी बिल्हा, पीएचसी तोरवा, सीएचसी मस्तुरी, जिला अस्पताल, पुलिस स्टेशन सरकण्डा, सीएचसी तखतपुर, सीएचसी कोटा, सीएचसी मस्तुरी 2, जिला अस्पताल 2, हाईकोर्ट बिलासपुर, सिम्स एवं सीएचसी रतनपुर में तैनात रखा जायेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नई एम्बुलेंसों से न केवल सेवा की गुणवत्ता बढ़ेगी।

सफलता की कहानी-प्रगतिशील महिला किसान कल्पना बनी प्रेरणा की मिसाल

उद्यानिकी विभाग की योजनाओं से संवर रहा किसानों का जीवन

बिलासपुर। जिले के तखतपुर विकासखण्ड के ग्राम कुरेली की निवासी श्रीमती कल्पना उपाध्याय एक प्रगतिशील महिला किसान हैं। उनके पास कुल 2 हेक्टेयर कृषि भूमि है। वर्तमान में लगभग 1.5 हेक्टेयर भूमि में उद्यानिकी फसलों की खेती कर रही हैं। पहले उनका परिवार मुख्य रूप से केवल पारंपरिक धान की खेती पर निर्भर था। अपनी आय बढ़ाने और खेती में नयापन लाने के उद्देश्य से उन्होंने उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित समेकित उद्यानिकी विकास योजना (वर्ष 2025-26) का लाभ उठाया। योजना के अंतर्गत उन्हें 1.000 हेक्टेयर क्षेत्र में आम के पौधे लगाने और सुरक्षा हेतु फेंसिंग के लिए अनुदान प्रदान किया गया। श्रीमती कल्पना ने मुख्य फसल आम के साथ-साथ स्मार्ट खेती का परिचय देते हुए खेत में अंतर्वर्ती फसलें उगाना शुरू किया। वर्तमान में वे अपने खेत में लौकी, गोभी, बरबट्टी और अन्य साग-भाजी का भरपूर उत्पादन कर रही हैं, जिससे उन्हें धान की तुलना में कहीं अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है। कल्पना जी का मानना है कि पहले उन्हें धान की खेती के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं सूझता था, लेकिन विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और सहयोग ने उनके लिए उन्नति के नए रास्ते खोल दिए हैं। आज वे अन्य किसानों के लिए एक प्रेरणा बन चुकी हैं और भविष्य में भी पूरी तरह उद्यानिकी फसलों को अपनाने के लिए उत्साहित हैं।

कोरबा-अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या 18237/18238 कोरबा-अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है 7 यह सुविधा गाड़ी संख्या 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में दिनांक 02 अप्रैल 2026 को तथा गाड़ी संख्या 18238 अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में दिनांक 04 अप्रैल 2026 को उपलब्ध रहेगी 7 इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे

कोरबा स्टेशन में कोल डस्ट/कोल डेब्रिस की खुली नीलामी 17 अप्रैल 2026 को

बिलासपुर। तत्संबंधित सूचना के अंतर्गत कोरबा स्टेशन यार्ड में पड़े लगभग 200 टन कोल डस्ट/कोल डेब्रिस की नीलामी कोरबा रेलवे स्टेशन के मुख्य स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में दिनांक 17 अप्रैल 2026 दिन शुक्रवार को सुबह 11.30 बजे करना सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया है 7 इच्छुक पार्टी/पार्टियों को खुली बोली नीलामी हेतु निर्धारित समय व दिनांक तथा स्थान पर उपस्थित होकर प्रक्रिया में भाग लेना होगा व उच्चतम बोली लगाने वाली पार्टी के पक्ष में नियमानुसार नीलामी की जाएगी 7 नीलामी में क्रय किए गए वस्तु के मूल्य का भुगतान 18 प्रतिशत जीएसटी सहित नगद /डीडी के रूप में नीलामी स्थल पर करना होगा व संबन्धित माल को नीलामी तिथि से 10 दिनों के अंदर रेलवे परिक्षेत्र से अपने जोखिम एवं खर्चे पर संबन्धित पार्टी को हटाना होगा

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 के विरोध में मसीही समाज का प्रदर्शन,राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

- छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 को लेकर विरोध तेज होता जा रहा है
- गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में संयुक्त मसीही समाज ने इस विधेयक को संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ बताते हुए राज्यपाल के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

बिलासपुर। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में संयुक्त मसीही समाज के सदस्यों ने छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 के विरोध में प्रदर्शन किया और एसडीएम के माध्यम से महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि 19 मार्च 2026 को प्रस्तुत इस विधेयक के कई प्रावधान भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। समाज के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि यह विधेयक अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता, अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा अनुच्छेद 14 और 21 के अधिकारों के विपरीत है। उनका कहना है कि प्रस्तावित कानून धर्मार्थ, शैक्षिक और सामाजिक गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है और एक विशेष समुदाय को लक्षित करता है। ज्ञापन में विधेयक की विभिन्न धाराओं पर आपत्ति जताते हुए दुरुपयोग की आशंका भी व्यक्त की गई। साथ ही मांग की गई कि मामलों की जांच जिला मजिस्ट्रेट स्तर पर हो ताकि निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके। प्रफुल जेम्स : भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, ऐसे में किसी भी कानून से हमारी धार्मिक स्वतंत्रता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। रोबिन्सन मसीह: यह विधेयक हमारे लिए काला कानून साबित हो सकता है, इसलिए इसे वापस लिया जाना चाहिए। ज्ञापन में राज्यपाल से इस विधेयक पर पुनर्विचार करते हुए इसे विधानसभा में वापस भेजने की मांग की गई है। इस दौरान प्रफुल जेम्स, पास्टर सिक्का, सुनीता तिमोथी, रविंद्र लकड़ा, अभय वाल्टर, रोबिन्सन मसीह, राजा जसपाल, रोहित कुजर, अमीन सिंह, मंगल मसीह, प्रशांत डेनियल, अशोक समुएल, सत्यपाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने माल लदान, यात्री परिवहन एवं राजस्व अर्जन में दर्ज की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ!

- वित्तीय वर्ष 2025-26 में 261.25 मिलियन टन माल लदान, 8.30 करोड़ से अधिक यात्री परिवहन तथा फ्रेट से ?30,400 करोड़ से अधिक का राजस्व अर्जन।

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में माल लदान, यात्री परिवहन एवं माल यातायात से राजस्व अर्जन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित करते हुए भारतीय रेल में अपनी अग्रणी भूमिका को और सुदृढ़ किया है। उत्कृष्ट कार्यप्रणाली, सुदृढ़ प्रबंधन एवं समर्पित टीम वर्क के बल पर इस वर्ष दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 261.25 मिलियन टन का अब तक का सर्वोच्च माल लदान दर्ज किया है। इसी के साथ, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने ?30,400 करोड़ से अधिक का फ्रेट राजस्व अर्जित कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जो इसके अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दर्शाता है। यह उपलब्धि न केवल रेलवे की परिचालन क्षमता में वृद्धि को दर्शाती है, बल्कि देश की औद्योगिक एवं ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करती है। यात्री परिवहन के क्षेत्र में भी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 8 करोड़ 30 लाख से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाया गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में परिवहन किए गए लगभग 7 करोड़ 40 लाख यात्रियों की तुलना में करीब 90 लाख अधिक है। यह वृद्धि यात्रियों के बीच रेलवे सेवाओं के प्रति बढ़ते विश्वास एवं बेहतर सुविधाओं का परिचायक है। कोयला, लौह अयस्क, इस्पात संयंत्रों हेतु कच्चा माल, सीमेंट एवं खाद्यान्न जैसे प्रमुख वस्तुओं के परिवहन में निरंतर वृद्धि इस उपलब्धि का प्रमुख आधार रही है। इसके साथ ही कंटेनर (श्च्ङ्गद्भ्रु) ट्रैफिक में उल्लेखनीय वृद्धि से यह स्पष्ट होता है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने पारंपरिक एवं आधुनिक दोनों प्रकार के माल परिवहन में संतुलित और प्रभावी विस्तार किया है।

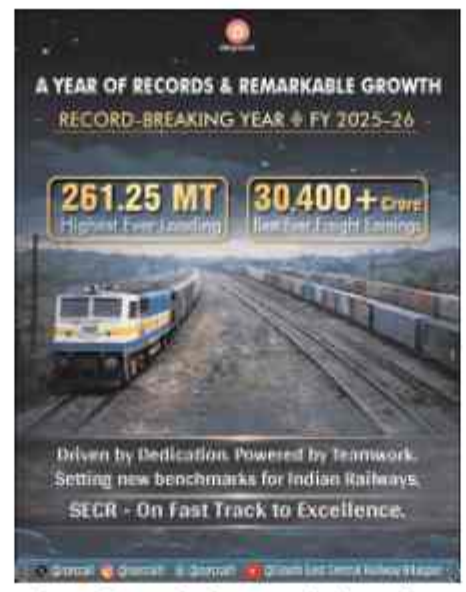

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अधोसंरचना विकास कार्यों को भी तीव्र गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रमुख रेलखंडों पर तीसरी एवं चौथी लाइनों की कमीशनिंग से परिचालन क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे ट्रेनों की गति, समयबद्धता एवं विश्वसनीयता में सुधार हुआ है। आधारभूत संरचना के इन विकास कार्यों के दौरान निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए सुव्यवस्थित योजना एवं प्रभावी समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है, जिससे यात्री एवं माल दोनों प्रकार के यातायात को अधिक सुगम एवं दक्ष बनाया जा सके। यह उल्लेखनीय उपलब्धि महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी निर्देशन के साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समर्पित कार्यशैली, उत्कृष्ट समन्वय एवं टीम भावना का परिणाम है।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने फ्रसमर्पण से प्रेरित, टीम वर्क से सशक्तफ्र की भावना के साथ कार्य करते हुए भारतीय रेल में नए मानक स्थापित किए हैं तथा भविष्य में भी इसी गति से उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर अग्रसर रहने के लिए प्रतिबद्ध है।

फेक न्यूज पर सख्ती:बिलासपुर में निगरानी समिति गठित

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

बिलासपुर। पश्चिम एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों के बीच एलपीजी, पेट्रोल, डीजल एवं उर्वरक की उपलब्धता को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों के प्रसार को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित होने वाली खबरों की निगरानी के लिए एक विशेष समिति का गठन किया गया है। गठित समिति में अपर कलेक्टर शिव कुमार बनर्जी को अध्यक्ष बनाया गया है।अमृत कुजूर, खाद्य नियंत्रक को सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। समिति में सदस्य के रूप में मुनुदाऊ पटेल उप संचालक जनसंपर्क, गोपाल सतपथी, निरीक्षक, साइबर सेल, पुलिस विभाग, सुश्री रेहाना तबस्सुम, जिला समन्वयक, सोशल मीडिया, जनसंपर्क विभाग, अजीत मिश्रा, अध्यक्ष, प्रेस क्लब बिलासपुर, किशोर सिंह, पत्रकार, नव भारत प्रेस बिलासपुर तथा वरिष्ठ पत्रकार भास्कर मिश्रा को सदस्य नियुक्त किया गया है। यह समिति विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित खबरों की सतत निगरानी करेगी, फेक न्यूज की त्वरित पहचान कर उसका खंडन सुनिश्चित करेगी तथा अफवाह फैलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ आईटी एक्ट एवं भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है।

हनुमान जन्मोत्सव पर बजरंगबली को चढ़ाएं ये फूल

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर वर्ष चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जन्मोत्सव का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी पावन दिन माता अंजनी और वानरराज केसरी के घर वीर बजरंगबली का जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन को हनुमान जी के जन्मोत्सव के रूप में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। हनुमान जन्मोत्सव के दिन भक्त न केवल बजरंगबली की, बल्कि प्रभु श्रीराम और माता सीता की भी विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा माना जाता है कि श्री राम के बिना हनुमान जी की आराधना अधूरी होती है। ऐसे में सवाल उठता है कि हनुमान जन्मोत्सव के दिन उन्हें कौन-से फूल अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त हो सकता है। चलिए, इस विषय में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से जानते हैं कि कौन-से पुष्प हनुमान जी को प्रसन्न कर सकते हैं।

बजरंगबली को चढ़ाएं मोगरे का फूल

हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान जी को मोगरे के फूल चढ़ाना अत्यंत शुभ और फलदायक माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मोगरे का फूल पवित्रता, शांति और भक्ति का प्रतीक है, और यह हनुमान जी को विशेष रूप से प्रिय होता है। मोगरे के सफेद फूलों की सौम्यता और सुगंध वातावरण को शुद्ध करती है और पूजा में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।

हनुमान जी को मोगरे के फूल चढ़ाने से मानसिक शांति, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक बल की प्राप्ति होती है। साथ ही, यह ग्रह दोषों को शांत करने में भी सहायक माना जाता है, विशेष रूप से शनि, राहु और केतु जैसे ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर करने में। ऐसा भी माना जाता है कि मोगरे के फूल चढ़ाने से हनुमान जी शीघ्र प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। इसलिए, हनुमान जन्मोत्सव पर मोगरे के फूलों से हनुमान जी का श्रृंगार करना अत्यंत शुभ फल देने वाला होता है।

बजरंगबली को चढ़ाएं गेंदे के फूल

हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर हनुमान जी को गेंदे का फूल अर्पित करना अत्यंत शुभ और लाभकारी माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गेंदे का फूल नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने वाला और वातावरण को शुद्ध करने वाला होता है, जो कि हनुमान जी की उपासना में विशेष महत्व रखता है। विशेष रूप से पीले और नारंगी रंग के गेंदे के फूल हनुमान जी को अत्यंत प्रिय हैं, क्योंकि ये ऊर्जा, उत्साह और शक्ति के प्रतीक माने जाते हैं जो स्वयं हनुमान जी के स्वरूप से मेल खाते हैं।

गेंदे के फूल चढ़ाने से जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं, शत्रुओं पर विजय मिलती है और साहस तथा आत्मबल में वृद्धि होती है। साथ ही यह भी माना जाता है कि यदि कोई व्यक्ति मंगलवार या हनुमान जन्मोत्सव के दिन श्रद्धा पूर्वक हनुमान जी को गेंदे के फूल चढ़ाता है, तो उसकी मनोकामनाएं शीघ्र पूरी होती है और उसे विशेष रूप से शनि दोष, भय और मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है।

बजरंगबली को चढ़ाएं गुलाब के फूल

हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान जी को गुलाब का फूल चढ़ाना बेहद शुभ और फलदायक माना जाता है। गुलाब का फूल प्रेम, भक्ति और शक्ति का प्रतीक है, और यह हनुमान जी की आराधना में विशेष स्थान रखता है। खासकर लाल गुलाब, जो हनुमान जी को अत्यंत प्रिय होता है, उन्हें चढ़ाने से भक्त की सच्ची श्रद्धा और भक्ति प्रकट होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गुलाब का फूल चढ़ाने से मन की नकारात्मकता दूर होती है, आत्मबल में वृद्धि होती है और व्यक्ति के अंदर साहस एवं स्थिरता का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि गुलाब का फूल हनुमान जी को प्रसन्न करता है और वे अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। साथ ही यह उपाय राहु, केतु और शनि जैसे ग्रहों के अशुभ प्रभाव को भी शांत करने में सहायक होता है। यदि हनुमान जन्मोत्सव के दिन श्रद्धा और विश्वास से गुलाब के फूलों से हनुमान जी की पूजा की जाए, तो जीवन में सुख-समृद्धि, सुरक्षा और सफलता के मार्ग स्वतः प्रशस्त हो जाते हैं।

संकट कटे मिटे सब पीरा जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जन्मोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जन्मोत्सव वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

वाल्मीकि रामायण के अनुसान हनुमान का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ जबकि पुराणों में पवनसुत का जन्म चैत्र पूर्णिमा बताया गया है। वैसे अधिकांश जगहों पर चैत्र पूर्णिमा को ही मारुतिनंदन हनुमान की जन्मोत्सव धूमधाम से मनाई जाती है। स्कंदपुराण में वर्णन है कि शिव के ग्यारहवें रुद्र ही विष्णु के अवतार श्रीराम की सहायता हेतु हनुमान रूप में अवतरित हुए। भगवान शंकर ने श्री विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त किया था, जिसे पूर्ण करने हेतु वह अवतार लेना चाहते थे। शिव परंतु उनके समक्ष धर्मसंकट यह था कि जिस रावण के वध हेतु वह श्रीराम की सहायता करना चाहते थे वह उनका परम भक्त था। अपने परम भक्त के विरुद्ध राम की सहायता वह आखिर कैसे करते यह प्रश्न था। रावण ने अपने दस सिरों को अर्पित कर भगवान शंकर के दस रुद्रों को संतुष्ट कर रखा था। अतः हनुमान ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतरित हुए और राम के सहायक बने। कलियुग में भक्तों के कष्टों को हरने में हनुमान समान दूसरा कोई देव नहीं है। वे जल्दी कृपा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास उनके बारे में लिखते हैं -

संकट कटे मिटे सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

सभी देवताओं के पास अपनी-अपनी शक्तियां हैं। जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद की शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं।

उनकी भक्ति भावना से प्रसन्न होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं। वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर-अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है।

मनोकामना पूर्ण करेंगे पवनसुत

तंत्र शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान को प्रसन्न करने के लिए कुछ उपाय सार्थक सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ उपाय-

- मंगलवार को संध्याकाल में किसी हनुमान मंदिर में जाएं और एक सरसों तेल का और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- मंगलवार की सुबह पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। उसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके राम नाम का जाप करें।
- यदि शनि दोष से पीड़ित हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करने पर शनिदेव व्यक्ति का बुरा नहीं करते हैं।

हनुमानजी की बजरंगबली, पवनसुत, मारुतिनंदन, केसरीनंदन इस तरह के कई नामों से उनकी स्तुति की जाती है। श्री हनुमान जी की स्तुति जिसमें उनके बारह नामों का उल्लेख मिलता है। इन नामों के जाप से भक्तों को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। आनंद रामायण 8/3/8-11 में उल्लेखित यह स्तुति अगर आप मंगलवार या शनिवार को करते हैं तो आपको इसका फल और भी जल्दी मिलने की संभावना रहती है।

दोहा
उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान॥

स्तुति
हनुमान अंजनी सूत वायु पुत्रो महाबलः।
रामेष्टः फाल्गुनसखा पिङ्गाक्षोऽमित विक्रमः॥
उदधिक्रमणश्चैव सीता शोकविनाशनः।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा॥
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मनः।
सायंकाले प्रबोधे च यात्राकाले च यः पठेत॥
तस्य सर्वभय नास्ति रणे च विजयी भवेत।

हनुमानजी की यह स्तुति करती है हर समस्या का निदान

हनुमान जी के 12 अत्यंत शुभ और मांगलिक नाम

बजरंगबली के 12 नाम का स्मरण करने से ना सिर्फ उम्र में वृद्धि होती है बल्कि समस्त सांसारिक सुखों की प्राप्ति भी होती है। 12 नामों का निरंतर जप करने वाले व्यक्ति की श्री हनुमानजी महाराज दसों दिशाओं एवं आकाश-पाताल से रक्षा करते हैं। यह नाम व्यक्ति को मनचाही सफलता देते हैं। प्रस्तुत है बजरंग बली के 12 चमत्कारी नाम :

▸हनुमान ▸अंजनीसुत ▸वायुपुत्र ▸महाबल। ▸रामेष्ठ ▸फाल्गुण सखा ▸पिंगाक्ष। ▸अमित विक्रम ▸उदधिक्रमण। ▸सीता शोक विनाशन ▸लक्ष्मण प्राणदाता। ▸दशग्रीव दर्पहा।

12 नाम की अलौकिक महिमा

- प्रातः काल सो कर उठते ही जिस अवस्था में भी हो बारह नामों को 11 बार लेनेवाला व्यक्ति दीर्घायु होता है।
- नित्य नियम के समय नाम लेने से इष्ट की प्राप्ति होती है।
- दोपहर में नाम लेनेवाला व्यक्ति धनवान होता है। दोपहर संध्या के समय नाम लेनेवाला व्यक्ति पारिवारिक सुखों से तृप्त होता है।
- रात्रि को सोते समय नाम लेनेवाले व्यक्ति की शत्रु से जीत होती है।
- उपरोक्त समय के अतिरिक्त इन बारह नामों का निरंतर जप करने वाले व्यक्ति की श्री हनुमानजी महाराज दसों दिशाओं एवं आकाश पाताल से रक्षा करते हैं।
- लाल स्याही से मंगलवार को भोजपत्र पर ये बारह नाम लिखकर मंगलवार के दिन ही ताबीज बांधने से कभी सिरदर्द नहीं होता। गले या बाजू में ताबे का ताबीज ज्यादा उत्तम है। भोजपत्र पर लिखने के काम आनेवाला पेन नया होना चाहिए।

हनुमान जयंती कब है? सही तारीख पूजा विधि और मंत्र

हनुमान जयंती का पर्व चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन व्रत करने से व्यक्ति की सारी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। साथ ही हनुमानजी अपने भक्तों के सारे संकट हर लेते हैं।

हनुमान जयंती का पर्व चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि का मनाया जाता है। हालांकि, चैत्र मास में आने वाली हनुमान जयंती मुख्य रुप से दक्षिण भारत में मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन अंजनी पुत्र हनुमानजी का प्राकट्य हुआ था। हनुमानजी को भगवान शिव का ही अंश माना जाता है और वह भगवान शिव के रुद्र अवतार में से एक है। हनुमान जी के संकट हरण भई कहा जाता है। जो व्यक्ति सच्ची श्रद्धा के साथ भगवान शिव की पूजा करता है। उनकी उपासना करता है भगवान उसके सारे कष्ट दूर करते है। इस बार हनुमान जयंती की तारीख को लेकर थोड़ा कंफ्यूजन भी है। दरअसल, पूर्णिमा तिथि दो दिन रहने के कारण ऐसा हुआ है।

हनुमान जयंती 2026 कब है

पंचांग की गणना के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा तिथि का आरंभ 1 अप्रैल को सुबह में 7 बजकर 2 मिनट पर होगा और पूर्णिमा तिथि का समापन 2 अप्रैल को सुबह में 7 बजकर 42 मिनट पर होगा। सूर्योदय व्यापनी तिथि 2 अप्रैल को सुबह में 7 बजकर 42 मिनट पर होने के कारण हनुमान जयंती का पर्व 2 अप्रैल को ही मनाया जाएगी।

हनुमान जयंती पूजा विधि

- हनुमान जयंती के दिन सुबह जल्दी उठे और स्नान करके लाल या नारंगी रंग के वस्त्र धारण करें।
- इसके बाद हाथ जोड़कर व्रत का संकल्प लें।
- अब पूजा के लिए लकड़ी की चौकी पर सफेद रंग का कपड़ा बिछाएं और हनुमान जी की प्रतिमा उसपर स्थापित करें।
- अब हनुमान जी के सामने घी का दीपक जलाएं।
- हनुमान जी को लाल सिंदूर, चंदन, चमेली का तेल अर्पित करें। मान्यता है कि इस दिन चमेली का तेल अर्पित करें।
- ऐसा माना जाता है कि बजरंगबली को चोला आर्पित करने से सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। इसलिए इस दिन चोला जरूर चढ़ाएं।
- पंचामृत से हनुमान जी को स्नान कराने के बाद उन्हें लड्डू का भोग लगाएं।
- इसके बाद हनुमान जी के मंत्रों का जप करें, ओम हं हनुमते नमः इस मंत्र का कम से कम 108 बार जप करें। साथ ही इसके अलावा ओम हं हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट् इस मंत्र का जप भी आप कर सकते है। हनुमान जी के गायत्री मंत्र का जप भी आप कर सकते हैं ओम आंजनेय विद्महे वायुपुत्राय धीमहि तन्नो हनुमत प्रचोदयात। मान्यता है कि इस मंत्र का जप करने से साहस में वृद्धि होती है।
- अब हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ जरुर करें।
- अंत में हनुमान जी की आरती करके सभी को प्रसाद दें।

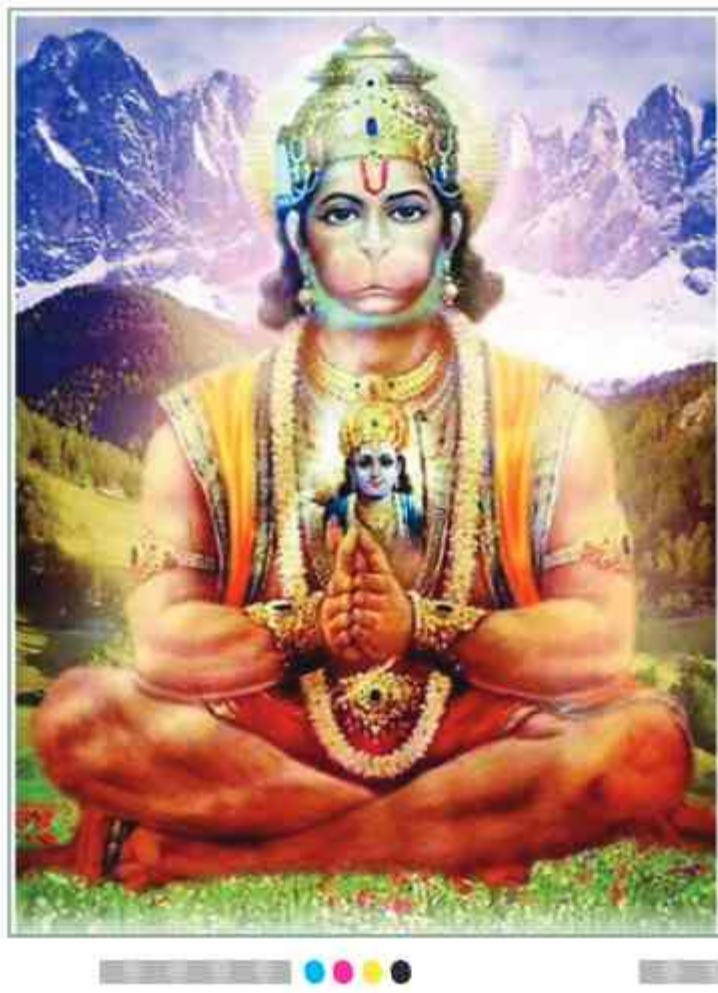

श्री हनुमान पूजन के 10 नियम 10 सावधानियां और सबसे सही तरीका

चैत्र माह की शुक्ल पूर्णिमा को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाता है। हनुमान जन्म उत्सव पर हनुमानजी की पूजा कर रहे हैं जो जान लें 10 नियम और 10 सावधाधियां।

- हनुमान पूजा में शुद्धता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पूजा स्थल की साफ सफाई अच्छे से कर लें।
- हनुमान पूजा को विशेष मुहूर्त में ही करें या सुबह और शाम को ही करें।
- हनुमान पूजा में उपयोग किए गए फूल लाल रंग के रखें।
- पूजा के के लिए दीपक में जो बाती लगाई जा रही है वह भी लाल सूत (धागे) की होनी चाहिए।
- हनुमानजी को गुड़ और चने का प्रसाद जरूर अर्पित करें। इसके आलावा चाहें तो केसरिया बूंदी के लड्डू, बेसन के लड्डू, चूरमा, मालपुआ या मलाई मिश्री का भोग लगाएं।
- हनुमान पूजा में आरती के बाद हनुमान चालीसा के अलावा यदि आप बजरंगबाण या सुंदरकाण्ड का पाठ कर रहे हैं तो नियम जान लें।
- हनुमानजी की पूजा के साथ ही माता अंजनी, जानकरी, श्रीराम और लक्ष्मण की पूजा करना भी जरूरी रहता है।
- हनुमान पूजा के दौरान जो दीपक जला रहे हों उसमें चमेली का तेल या शुद्ध घी होना चाहिए।
- सिर्फ एक वस्त्र पहनकर ही उनकी पूजा करें।
- हनुमान मूर्ति या चित्र को लकड़ी के पाठ पर लाल कपड़ा बिछाकर स्थापित करें और खुद कुश के आसन पर बैठकर ही पूजा करें।

हनुमान पूजा की 10 सावधानियां

- जिस दिन पूजा करना हो उसके एक दिन पूर्व से ही मांस, मदिरा आदि का सेवन करना छोड़ दें।
- जिस दिन पूजा करना हो उसके एक दिन पूर्व से ही ब्रह्मचर्य का पालन करना प्रारंभ करें और मन में किसी भी प्रकार का कामुक विचार न रखें।
- हनुमान पूजा के बीच में किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्सपन्न न हो इसका ध्यान रखें।
- यदि घर में सूतककाल चल रहा है तो पूजा न करें।
- हनुमान पूजा में तुलसी, चरणामृत या पंचामृत का उपयोग नहीं करें।
- महिलाएं हनुमानजी को वस्त्र, जनेऊ या चोला अर्पित न करें।
- महिलाओं को महावारी के दौरान पूजा से दूर रहना चाहिए।
- हनुमानजी की किसी भी प्रकार से तांत्रिक पूजा नहीं की जानी चाहिए।
- हनुमानजी का व्रत रख रहे हैं तो नमक, मिर्च और अनाज के सेवन से बचें।
- हनुमानजी को अर्पित किए गए भोग या प्रसाद शुद्ध घी में बने हुए होना चाहिए।

खम्हरिया में तोड़फोड़ के लिए पहुंचा बुलडोजर, रहवासियों ने कर दिया सड़कजाम, विरोध के बाद बैरंग लौटी निगम की टीम

भिलाई। भिलाई नगर निगम अंतर्गत खम्हरिया में बुधवार को सड़क चौड़ीकरण के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग की टीम तोड़फोड़ की कार्रवाई करने पहुंची जिन्हें सैकड़ों लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा।यहां के रहवासी विरोध करते हुए सैकड़ों की संख्या में सड़कों पर उतर आए। ग्रामीणों ने सड़क जामकर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना उन्हें ही बेघर किया जा रहा है। दरअसल खम्हरिया वार्ड में पीडब्ल्यूडी की ओर से सड़क चौड़ीकरण का काम प्रस्तावित है। इस काम के पहले चरण में सड़क के दोनों किनारों पर आरसीसी नाली का निर्माण किया जाना है। नाली निर्माण के लिए विभाग ने जो सीमा रेखा तय की है, उसकी जद लगभग 50 से ज्यादा घर आ रहे हैं। जब पीडब्ल्यूडी की टीम बुलडोजर लेकर इन घरों को तोड़ने पहुंची, और जैसे ही घरों पर बुलडोजर चलना शुरू हुआ, क्षेत्र की महिलाएं और पुरुष बड़ी संख्या में जमा हो गए। यहां के रहवासियों ने तोड़फोड़ का विरोध करते हुए सड़क पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना था कि,उनके रहने का कोई भी इंतजाम किए बिना उनका घर तोड़ना सरासर गलत है। इधर, विरोध प्रदर्शन की खबर मिलते ही शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के बीच बैठकर उनकी मांगों का समर्थन किया। मुकेश चंद्राकर ने प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि अभी बच्चों की परीक्षाएं चल रही हैं। ऐसे समय में परिवारों को बेघर करना सरासर गलत है। पहले उन लोगों को दूसरी जगह मकान या जमीन दे फिर कार्रवाई करें। बिना विस्थापन के इस तरह की कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।जिस पर जिला प्रशासन और विभाग की ओर से 15 दिन तक कार्रवाई नहीं करने की बात पर सहमति बनी है। इधर, सड़कजाम के चलते यातायात पूरी तरह बाधित हो गया था । सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने की कोशिश की। काफी देर तक चले हंगामे और कांग्रेस नेताओं के हस्तक्षेप के बाद पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने फिलहाल तोड़फोड़ की कार्रवाई को रोक दिया है।इस मामले प्रभावित लोगों के रहने की व्यवस्था के संबंध में जिला कलेक्टर और निगम आयुक्त से मुलाकात की जाएगी। अधिकारियों और प्रतिनिधियों के चर्चा के बाद ही आगे का रास्ता निकाला जाएगा।

रायपुर में दोहरा हत्याकांड: बर्खास्त पुलिसकर्मी ने पत्नी और सौतेली बेटी को कुल्हाड़ी से उतारा मौत के घाट, थाने पहुंचकर किया सरेंडर

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सेमरिया गांव में बुधवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। एक बर्खास्त पुलिसकर्मी ने घरेलू विवाद और कथित अवैध संबंधों के शक में अपनी पत्नी और 22 वर्षीय बेटी की कुल्हाड़ी से काटकर बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने खुद थाने जाकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी गुलाब साहू ने पहले अपनी पत्नी लता साहू पर कुल्हाड़ी से वार किया और फिर बीच-बचाव या विरोध करने पर अपनी सौतेली बेटी चित्रा साहू (22 वर्ष) को भी मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों का पंचनामा किया और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हिरासत में आरोपी गुलाब साहू ने अपना जुर्म कबूल करते हुए चौंकाने वाले खुलासे किए हैं. आरोपी का दावा है कि उसकी पत्नी का किराएदार के साथ अफेयर था। किराएदार ने घर, गाड़ी और पैसे का लालच देकर उसकी पत्नी का 'ब्रेनवॉश' कर दिया था। आरोपी ने बताया कि किराएदार और उसकी पत्नी मिलकर उसे घर से निकालने की योजना बना रहे थे। मां और बेटी दोनों उसे लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित (टॉर्चर) कर रही थीं, जिससे तंग आकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, गुलाब साहू पूर्व में पुलिस विभाग में सेवारत था। वह 2 साल पहले बिलासपुर में पदस्थ था, लेकिन अनुशासनहीनता के चलते उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। बर्खास्तगी के बाद वह मार्केटिंग के क्षेत्र में काम कर रहा था। मृतक लता साहू ने करीब 4 साल पहले गुलाब साहू से दूसरी शादी की थी। मृतिका चित्रा, लता की पहली शादी से हुई बेटी थी। विधानसभा थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

विधायक रिकेश ने दिल्ली में गडकरी से की मुलाकात

भिलाई को दो नए फ्लाई ओवर और कुम्हारी टोल प्लाजा मुक्ति की रखी मांग

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात का मुख्य एजेंडा भिलाई और आसपास के क्षेत्रों में यातायात की गंभीर समस्याओं का समाधान और विकास कार्यों को गति देना रहा।विधायक सेन ने रायपुर-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बढ़ते दबाव को देखते हुए दो नए फ्लाईओवर के निर्माण का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सुपेला थाना से नेहरू नगर और नेहरू नगर से बायपास तक फ्लाईओवर की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे शहरवासियों को रोजाना के ट्रैफिक जाम से स्थायी मुक्ति मिलेगी।इसके साथ ही, उन्होंने स्थानीय जनता की बरसों पुरानी मांग को दोहराते हुए कुम्हारी टोल प्लाजा को बंद करने का आग्रह किया। विधायक ने बताया कि इस टोल के कारण स्थानीय यात्रियों पर आर्थिक बोझ और समय की बर्बादी हो रही है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने सभी प्रस्तावों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

भिलाई-चरोदा नगर निगम का 382.14 करोड़ का बजट पेश, जल व आधारभूत सुविधाओं पर फोकस

भिलाई। भिलाई-चरोदा नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 382 करोड़ 14 लाख रुपए का विस्तृत बजट पेश किया। सोमवार को निगम सभागार में महापौर निर्मल कोसरे ने बजट प्रस्तुत करते हुए शहर के समग्र विकास, जल प्रबंधन और आधारभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। बजट में ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देते हुए निगम के चार मंगल भवनों और मुख्य कार्यालय में सोलर लाइट से प्रकाश व्यवस्था करने का प्रावधान रखा गया है। वहीं, जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रेन वॉटर हार्वेस्टिंग अपनाने वाले भवनों को 10 प्रतिशत शुल्क छूट और अग्रिम कर भुगतान पर 5 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की गई है। **प्रकाश व्यवस्था पर विशेष जोर**–शहर में बेहतर रोशनी व्यवस्था के लिए कुल 2.90 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके तहत मोरिद डीएमसी रोड से उरला, उम्दा चौक से ट्रांसपोर्ट नगर, सिरसा चौक से देवबलोदा शिव मंदिर सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों में लाइटिंग कार्य किए जाएंगे। साथ ही विद्युत पोल स्थापना के लिए 20 लाख रुपए अलग से निर्धारित किए गए हैं।

जल आपूर्ति सुधार के लिए बड़े प्रोजेक्ट–पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं। मोरीद जलाशय में इंटकवेल निर्माण और उरला फिल्टर प्लांट से नई पाइपलाइन जोड़ने के लिए 50 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा ट्रांसपोर्ट नगर, जरवाय, पदुम नगर, आदर्श नगर, देवबलोदा और सिरसा भाटा में उच्च स्तरीय पानी टंकियों के निर्माण हेतु 6 करोड़ रुपए रखे गए हैं। नलकूप, पाइपलाइन विस्तार, जल संधारण और इंटकवेल निर्माण के लिए भी अलग-अलग मदों में करोड़ों रुपए का प्रावधान किया गया है, जिससे शहर में पेयजल संकट को कम करने का प्रयास किया जाएगा।

स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन–नगर में सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए 4.85 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत 6 नए मनी कंचन केंद्र बनाए जाएंगे, जिन पर 1.65 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। वहीं, सीवर लाइन विस्तार के लिए 1 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

अन्य विकास कार्य और योजनाएं–बजट में डिजिटल लाइब्रेरी निर्माण के लिए 4.8 करोड़ रुपए तथा ग्रामीण वार्डों में 6 नए मंगल भवनों के निर्माण का प्रस्ताव शामिल है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नगरोदय योजना, मिनी स्टेडियम, टप्पा तालाब सौंदर्यीकरण, मुक्तिधाम विकास और उन्मुक्त खेल मैदान जैसी योजनाओं को भी आगे बढ़ाया जाएगा। श्रद्धांजलि योजना के तहत सहायता राशि को 3,000 रुपए करने के लिए राज्य शासन से अनुमति मांगी जाएगी।

विपक्ष का विरोध, बजट पर उठे सवाल–बजट पेश होने के बाद विपक्ष ने इसे लेकर कड़ा विरोध जताया। नेता प्रतिपक्ष रामखेलावन ने बजट को छलावा बताते हुए पेयजल संकट को लेकर चिंता व्यक्त की।

हॉस्पिटल सेक्टर के 4000 निवासियों पर बेदखली का साया, कलेक्ट्रेट पहुंच लगाई गुहार , बिना पुनर्वास न उजाड़ें आशियान

संपदा न्यायालय के 15 दिनों में खाली करने के नोटिस से मचा हड़कंप, सुप्रीम कोर्ट के फैसले तक कार्रवाई रोकने की मांग

भिलाई/दुर्ग। भिलाई इस्पात संयंत्र के हॉस्पिटल सेक्टर में पिछले कई दशकों से रह रहे हजारों निवासियों के आशियानों पर एक बार फिर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। संपदा न्यायालय द्वारा जारी 15 दिनों के भीतर मकान खाली करने के नोटिस के बाद, बुधवार को बड़ी संख्या में प्रभावित रहवासियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। रहवासियों का कहना है कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था या समुचित पुनर्वास के उन्हें हटाना अमानवीय होगा।

4000 लोगों के भविष्य पर तलवार–कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में निवासियों ने बताया कि हॉस्पिटल सेक्टर में लगभग 4000 लोग निवास कर रहे हैं, जिनमें मासूम बच्चे, बुजुर्ग, बीमार व्यक्ति और महिलाएं शामिल हैं। संपदा न्यायालय ने 28 मार्च 2026 को नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर बलपूर्वक (पुलिस बल के साथ) बेदखली की चेतावनी दी है। भीषण गर्मी के इस मौसम में बिना किसी छत के सड़क पर आने के विचार मात्र से ही स्थानीय लोग दहशत में हैं।

सुप्रीम कोर्ट में लंबित है मामला–रहवासियों का तर्क है कि हॉस्पिटल सेक्टर का यह मामला वर्तमान में माननीय उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। कोर्ट ने राज्य सरकार को भी अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं। निवासियों का कहना है कि जब तक सर्वोच्च अदालत का अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक संपदा न्यायालय द्वारा बुलडोजर चलाने या बेदखली की कार्रवाई करना न्यायोचित नहीं है।

पूर्व मंत्रियों की पहल भी रही बेअसर–ज्ञापन में इस बात का भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में माननीय मंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय और ताम्रध्वज साहू द्वारा इस दिशा में सार्थक पहल की गई थी। संयंत्र प्रबंधन द्वारा 10 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का प्रयास भी किया गया था, लेकिन धरातल पर आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी।

कलेक्टर से भावुक अपील–समस्त हॉस्पिटल सेक्टर वासियों की ओर से सौंपे गए इस पत्र में मांग की गई है कि प्रशासन नगर सेवा विभाग और संपदा न्यायालय को निर्देशित करे कि वे पुलिस बल उपलब्ध न कराएं और बेदखली पर रोक लगाएं। निवासियों ने भावुक होते हुए कहा कि उनके सिर से छत छीनना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उनके जीवन का आधार छीनने जैसा है।

भिलाई बैकुंठधाम तालाब के पास अधेड़ ने फांसी लगाकर दी जान, इलाके में सनसनी

मृतक की पहचान शांति नगर निवासी अजय अग्रवाल के रूप में हुई, पुलिस जांच में जुटी

भिलाई: औद्योगिक नगरी भिलाई के छावनी थाना क्षेत्र अंतर्गत बैकुंठधाम तालाब के पास आज सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक अधेड़ व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने देखा शव–जानकारी के अनुसार, हर रोज की तरह बुधवार सुबह जब लोग बैकुंठधाम तालाब के पास मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे, तभी उनकी नजर तालाब के सामने एक पेड़ पर लटके हुए शव पर पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंची छावनी थाना पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतारा और शिनाख्त की कार्रवाई शुरू की। मृतक की पहचान शांति नगर निवासी अजय अग्रवाल के रूप में की गई है। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या का कारण फिलहाल अज्ञात है.मृतक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका पता अभी नहीं चल पाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और परिजनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और घरवालों के बयान दर्ज होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

मंत्री ,विधायक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे

भाजपा की स्थापना दिवस को लेकर बैठक

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी की 6 अप्रैल को स्थापना दिवस है. जिसको लेकर बैठक का आयोजन दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में एवं कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला संगठन प्रभारी नंदन जैन, विधायक ललित चंद्राकर के प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुई आयोजित बैठक में आगामी 6 अप्रैल को भाजपा की स्थापना दिवस को लेकर केंद्रीय नेतृत्व के द्वारा आए हुए कार्यक्रम एवं भारत रत्न डॉक्टर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को मनाये जाने को लेकर कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई एवं दायित्व का निर्धारण तय किया गया 7 इस अवसर पर वरिष्ठ नेताओं के द्वारा कार्यक्रमों के संपादन की दृष्टिकोण से आवश्यक मार्गदर्शन और सुझाव प्रदान किया गया 7 आयोजित बैठक में मंचासीन अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, महापौर अल्का बाघमार, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य चंद्रिका चंद्राकर ,माया बेलचंदन, पदमा देवांगन, जिला महामंत्री दिलीप साहू, विनोद अरोरा, स्थापना दिवस कार्यक्रम समिति सदस्य जिला मंत्री शैलेंद्र शैंडे, गायत्री वर्मा, राजेश राजपूत, 14 अप्रैल अंबेडकर जयंती कार्यक्रम समिति सदस्य जिला उपाध्यक्ष राजीव पांडेय, खेमलाल देशलहरे डॉक्टर भारती साहू , अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश महामंत्री साजन जोसेफ उपस्थित रहे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि हम सभी जानते है 6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस है हम उसे पार्टी के कार्यकर्ताएं जिसे हम उसे मां का दर्जा दिया है और मां का जन्म उत्सव मनाने का कार्य हम सभी को बड़ी संगठन के द्वारा तय किए गए कार्यक्रम और धूमधाम तरीके से करना है हम उसे पार्टी के कार्य करते हैं जो कहा वो किया हमने राम मंदिर बनाया, अनुच्छेद 370 हटाया, ऐसे कई जनहित करी निर्णय हमने किया जो हमारे देश के लिए हितकारी था आप सभी वह ऊर्जावान कार्य करता है जिसकी तारीफहमारा प्रदेश संगठन करता है अपने बड़े अच्छे ढंग से प्रशिक्षण वर्ग के कार्य को संपादन किया और कुछ मंडलों में अभी संपादन होना बाकी हर मन की बात में भी हम प्रथम स्थान प्राप्त करते है स्थापना दिवस कार्यक्रम को हमे बेहतर ढंग से मानना है। श्री यादव ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह जी ने छत्तीसगढ़ को 31 मार्च तक नक्सल मुक्त की घोषणा की थी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार के दृढ़ इच्छा शक्ति के बदौलत आज हम इस पर सफल भी हो गए हैं आज हमारा प्रदेश नक्सल मुक्त हो चुका है न जाने कितने परिवार उजड़े लेकिन अब हथियार छोड़कर माओवादी मुख्य धारा पर लौट आ चुके है आज हमारा छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त पूरी तरह हो चुका है इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह , मुख्यमंत्री विष्णु साय को बधाई देता हूं । जिला संगठन प्रभारी नंदन जैन ने इस अवसर पर कहा कि आज हम सभी स्थापना दिवस कार्यक्रम तैयारी बैठक में उपस्थित है भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई संगठन राष्ट्रवादी विचारधारा पर कार्य करते हुए आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है और इस पार्टी की स्थापना दिवस के अवसर पर हम सभी पार्टी कार्यकर्ता होने के नाते हमारा उत्तर दायित्व बनता है ।स्थापना दिवस को भव्य एवं ऐतिहासिक ढंग से मानना है प्रत्येक कार्यकर्ताओं के लिए गर्व और संकल्प का दिन है इस दिन पार्टी के सिद्धांतों और विचारधारा देश सेवा के संकल्प को पुनः दोहराने का अवसर मिलता है मैं आप सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं कि अपने-अपने बुथ एवं मंडल स्तर पर उत्साह पूर्वक आयोजित करें।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com